पु॰ना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Claas-V

Hindi

Specimen copy

Year- 2020-21

Semester-1,2

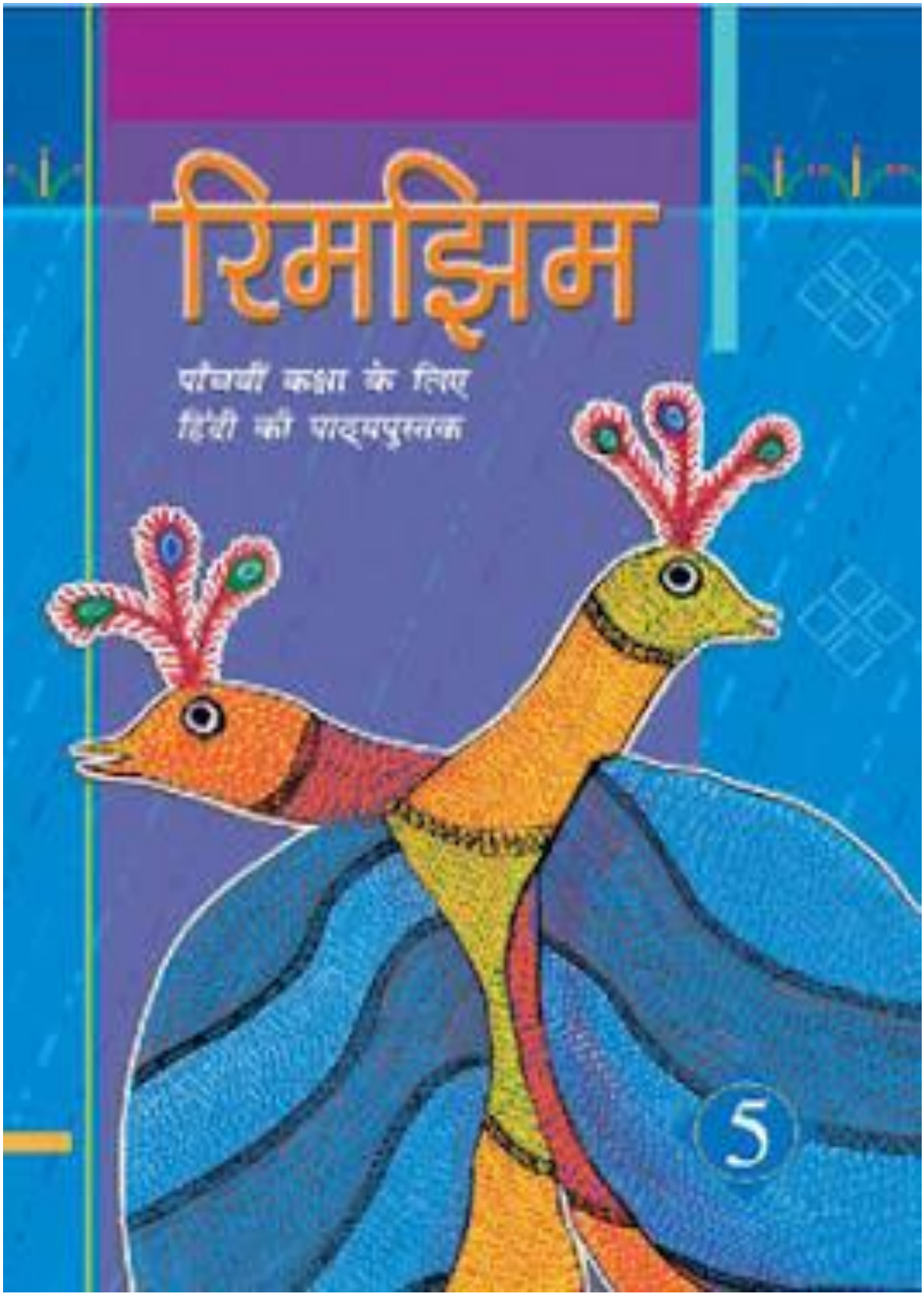
रिमझिम
पाँचवीं कक्षा के लिए
हिंदी की पाठ्यपुस्तक
5

पाठ-१ राख की रस्सी

*** कठिन शब्द**

१-हाजिरजवा़बी
२-होशियार
३-जौ
४-हल
५-मुश्किल
६-तरीका
७-प्रस्ताव

*** शब्दार्थ**

१-हाजिरजवा़बी-तुरंत उत्तर देना
२-होशियार-चालाक
३-जौ-गेहूँ की तरह का एक खाद्य पदार्थ
४-हल-समस्या
६-मुश्किल-कठिन
७-तरीका-उपाय
८-प्रस्ताव-सुझाव,पेशकश
९-सम्मुख-सामने

*** अतिलघ उत्तरीय प्रश्न**

१-लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को कहाँ के लिए खाना किया?

उ-लोनपो ने सौ जौ के बोरों को लेने के लिए अपने बेटे को शहर के लिए खाना किया।

२-लोनपो के पुत्र को किसे मारने या बेचने की आज्ञा नहीं थी?

उ-लोनपो के पुत्र को भेडों को मारने या बेचने की आज्ञा नहीं थी।

३-भेडों के बाल बेचना किसे पसंद नहीं आया?

उ-भेडों के बाल बेचना लोनपो को पसंद नहीं आया।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-लोनपो कौन थे? वह क्यों प्रसिदध थे?

उ-लोनपो तिब्बत के बत्तीसवें राजा सौनगवसेन गांपो के मंत्री थे। वे अपनी चालाकी और हाजिरजवा़बी के लिए दूर-दूर तक मशहूर थे।

२-लोनपो किसके कारण चिंतित थे और क्यों?

उ-लोनपो अपने बेटे के कारण चिंतित थे क्योंकि वह बहुत भोला था।

३-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही क्यों चुना?

उ-क्योंकि उसे यकीन था कि वह लड़की उसकी मदद के लिए वहाँ जरूर आएगी।

४-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार ने क्या किया?

उ-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपो गार उठकर कमरे से बाहर चले गए।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-पहली बार शहर जाकर लोनपो का पुत्र क्यों दुखी था तथा उसकी मदद किसने की?

उ-लोनपो का बेटा शहर पहुँचा। मगर सौ बोरे जौ खरीदने के लिए उसके पास पैस नहीं थे।कोई हल उसकी समझ में ही नहीं आ रहा था।वह बहुत दुखी था तथा उसकी मदद एक लड़की ने की।

२-लोनपो किसके कारण चिंतित थे और क्यों?

उ-लोनपो अपने बेटे के कारण चिंतित थे क्योंकि वह बहुत भोला था।

३-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही क्यों चुना?

उ-दूसरी बार शहर जाने पर लोनपो के पुत्र ने बैठने के लिए पुरानी जगह को ही चुना क्योंकि उसे यकीन था की वह लड़की उसकी मदद के लिए जरूर आएगी।

४-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार ने क्या किया?

उ-पहली बार जौ के सौ बोरे लाए देखकर लोनपोगार उठकर कमरे से बाहर चले गए।

(व्याकरण-विभाग)

* **संज्ञा-** कसी भी व्यक्ति, वस्तु, जाति, भाव या स्थान के नाम को ही संज्ञा कहते हैं।

जैसे -मनुष्य जाति, अमेरिका, भारत स्थान, बचपन, मठासभाव, कताब, टेबल, वस्तु आदि।

*** संज्ञा के भेद-**

१) व्यक्तिवाचक संज्ञा- जो शब्द केवल एक व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराते हैं उन शब्दों को व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भारत, चीन स्थान, कताब, साइ कल,वस्तु, सुरेश, रमेश, महात्मागाँधी व्यक्ति आदि।

व्यक्तिवाचक संज्ञा के उदाहरण-

- रमेश बाहर खेल रहा है।
- महेंद्र संह धोनी क्रकेट खेलते हैं।
- मैं भारत में रहता हूँ।
- महाभारत एक महान ग्रन्थ है।
- अ मताभ बच्चन कलाकार हैं।

२) जातिवाचक संज्ञा- जो शब्द कसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराते हैं, उन शब्दों को जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।

- जैसे- मोबाइल, टीवी (वस्तु), गाँव, स्कूल (स्थान), आदमी, जानवर (प्राणी) आदि।
- जातिवाचक संज्ञा के अन्य उदाहरण-
- स्कूल में बच्चे पढ़ते हैं।
- बिल्ली चूहे खाती है।
- पेड़ों पर पक्षी बैठे हैं।

३) भाववाचक संज्ञा- जो शब्द कसी चीज़ या पदार्थ की अवस्था, दशा या भाव का बोध कराते हैं, उन शब्दों को भाववाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे-बचपन, बुढापा, मोटापा, मठास आदि।

भाववाचक संज्ञा के उदाहरण-

ज्यादा दोड़ने से मुझे थकान हो जाती है।

- लगातार परिश्रम करने से सफलता मलेगी।

(लेखन-विभाग)

अनुच्छेद लेखन

अनुशासन-

- "अनुशासन" शब्द का अर्थ है कसी वशेष नियम के अनुसार कार्य करना। अपने को वश में करना अनुशासन कहलाता है।स्पष्ट है क अनुशा सत और निय मत व्यवहार सुखदायी होता

है। कुछ लोगों का वचार है क माता- पता और गुरुओं की आज्ञा का पालन करना भी अनुशासन में गना जाता है। नियमपूर्वक जीवन बिताना अर्था त्समय पर सोना, समय पर जागना, समय पर भोजन करना, समय पर सैर करना, समय पर खेलना, समय पर स्कूलजाना आदि अनुशासन में ही गने जाते हैं।अध्यापक के अनुशा सत चरित्र से वद्यार्थी अध्यापक को सम्मान ही नहीं देता है अ पतु उसे अपना आदर्श भी मानता है। कसी भी व्यक्ति के लए अनुशासन सदैव लाभदाय कही होता है। वद्यार्थी जीवन में अनुशासन के बिना सफल जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज देखने में आता है कस sमाज के प्रत्येवर्ग में अनुशासन ही घर कए हुए है। इसका पहला कारण माता- पता है जो आरम्भ से ही बच्चों को अनुशासन की शक्षा नहीं देते। अनुशासन हीनता का दूसरा बड़ा कारण हमारी शक्षा प्रणाली है। आज स्कूल और कॉलजों में पढ़नेवाले वद्यार्थी स्वयं ही अपने वद्यालय के भवन को आग लगाते हैं और तोड़-फोड़ करते हैं। यह स्थिति चन्तनीय है।देश की सम्पत्ति को नष्ट करने का अर्थ स्वयं को ही नष्ट करना है।अनुशासन प्रत्येक मानव और प्रत्येक प्राणी के लिए आवश्यक है। इससे शान्ति बनी रहती है और समाज समृद्धि की ओर अग्रसर होता है।

*** स्वाध्याय- संज्ञा को पहचानकर लिखिए।**

१-रामायण २-छात्र ३-रंगत

४-गोपी ५-उदास

*** गतिविधि- लोनपोगार और भेड़ों का चित्र बनाए अथवा चिपकाए।**

पाठ-२ फ़सलों के त्योहार

*** कठिन शब्द**

१-बोरसी
२-चाँपाकल
३-सैलाब
४-कतार
५-प्रांत
६-घुघुतियाँ

*** शब्दार्थ**

१-बोरसी-मिटटी से निर्मित एक प्रकार का बर्तन
२-घुघुतिया-कुमाऊ का त्योहार
३-सैलाब-भीड़
४-कतार-लाईन
५-प्रांत-देश
६-अंदाज-तरीका
७-इकटठ-समूह
८-सूर्य-सूरज, रवि
९-त्यौहार-पर्व

*** अतिलघु प्रश्न उत्तर**

१-दादी क बाल कैसे लग रहे थे?
उ-दादी के बाल सफ़ेद रुई जैसे लग रहे थे।
२-तिलकुट किन चीज़ो से बनाया जाता है?
उ-तिलकुट गुड़ और तिल से बनाया जाता है।
३-सरहुल में चंदे में कौन-कौन सी चीज़े माँगी जाती हैं?
उ-सरहुल में चंदे में मुर्गा, चावल और मिश्री माँगी जाती हैं।
४-पोंगल के दिन घरों में कौन-कौन सी फ़सले काटकर लाई जाती हैं?
उ-पोंगल के दिन घरों में खरीफ़ की फ़सलें, चावल, अरहर आदि काटकर लाई जाती हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खिचडी़ के त्योहार के दिन केले के पत्तों पर क्या-क्या रखा गया था?
उ-खिचडी़ के त्योहार क दिन केल के पत्तों पर तिल, गुड़, चावल रखा गया था।
२-सरहुल का साल के वृक्ष से क्या संबंध है?
उ-सरहुल क दिन विशेष रूप से साल के पेड़ को पूजा की जाती है। यही समय है जब साल क पेड़ो में फूल आन लगत हैं और मौसम बहुत ही खुशनुमा हो जाता हैं।
३-पोंगल कैस मनाया जाता है?
उ-तमिलनाडु में मकर-संक्रांति या फ़सलों से जुड़ा त्यौहार "पोंगल"के रूप में मानया जाता है। हर घर में मिटटी का नया मटका लाया जाता है। जिसमे नए चावल, दूध और गुड़ डा़लकर उसे पकान के लिए धूप में रख देत है। जैसे ही दूध में उफान आता है दूध-चावल मटके से बाहर गिरने लगता है तो "पोंगला-पोंगल, पोंगला-पोंगल"के स्वर सुनाई देते ह।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-खेती और फ़सलो से जुड़े कौन-कौन से त्योहार किन-किन प्रांतों में मनाए जाते हैं?
उ-केरल-ओणम
पंजाब-लोहडी़
तमिलनाडु-पोंगल
झारखंड-सरहुल

गुजरात-मकरसंक्रांति असम-बिहु

कुमाऊँ-घुघुतिया बिहार-संक्रांति

२-मकर संक्रांति के दिन किस प्रांत में पतंगों को सर्वाधिक महत्व दिया जाता ह और क्यों?

उ-मकर संक्रांति क दिन गुजरात में पतंगो को सर्वाधिक महत्व दिया जाता हैं। प्रत्येक गुजराती चाह वह किसी भी धर्म, जाति या आयु का हो, पतंग उड़ाता है। हज़ारों-लाखो पतंगो से सूर्य भी ढक-सा जाता हैं।

(व्याकरण-विभाग)

१) द्रव्यवाचक संज्ञा- जो शब्द कसी धातु या द्रव्य का बोध करते हैं, द्रव्यवाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे- कोयला, पानी, तेल, घी आदि।

द्रव्यवाचक संज्ञा के उदाहरण

- मेरे पास सोने के आभूषण हैं।
- एक कलो तेल लेकर आओ।
- मुझे दाल पसंद है।

२) समुदायवाचक संज्ञा- जिन संज्ञा शब्दों से कसी भी व्यक्ति या वस्तु के समूह का बोध होता है, उन शब्दों को समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे- भीड़, पुस्तकालय, झुंड, सेना आदि।

समुदायवाचक संज्ञा के उदाहरण

- भारतीय सेना दुनिया की सबसे बड़ी सेना है।
- कल बस स्टैंड पर भीड़ जमा हो गयी।
- मेरे परिवार में चार सदस्य हैं।

(लेखन-विभाग)

निबंध

* भारतीय त्योहार

-भारत त्योहारों का देश है। हमारे देश में भन्न भन्न धर्म एवं जाति संप्रदाय के लोग निवास करते हैं। भारत के त्योहार इसकी संस्कृति की महानता को उजागर करते हैं। भन्न भन्न जातियों, भाषाओं, प्रातों व भन्न भन्न सम्प्रदायों द्वारा एक साथ त्योहार मनाने से पारस्परिक सौहार्द एवं स्नेह की भावनायें पुनर्जी वत होती हैं। हमारे त्योहार अ धकतर ऋतुचक्र के अनुसार मनाये जाते हैं।

-सभी त्योहार जनमानस को खु शयाँ, उल्लास व उत्साह प्रदान करते हैं। रक्षाबन्धनका त्योहार भाई बहन के सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाता है और भाई जीवनभर बहन की रक्षा का वचन लेता है। वजयदशमी बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है। दीपावली में दीपों के साथ हमारे जीवन में भी नयी रोशनी जागृत होती है।मुस्लमान भाईयों की ईद, मुहर्रम, सक्खों की बैसाखी, लोहड़ी, ईसाईयों का क्रसमस सभी त्योहार समाज में नवीनता एवं खु शयाँ लाते हैं।

-मनुष्य के जीवन की नीरसता को दूर करते हैं और लोगों को दान द क्षणा आदि सत्कर्म करने की प्रेरणा देते हैं।स्वतंत्रतादिवस, गणतंत्रदिवस, गाँधीजयन्ती इत्यादि राष्ट्रीय त्योहार पूरे राष्ट्र में प्रतिवर्ष एक ही दिन हम सब मलकर मनाते हैं जिससे राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत होती है एवं आपसी एकता

भी मजबूत होती है। ये त्योहार हमारी भारतीय संस्कृति के गौरव हैं। हमारे ये त्योहार हमारी पहचान हैं। अतःहमें इनको मलजुलकर प वत्रता व सहृदयता से मनाना चाहिये।

*** गतिविधि–अलग–अलग राज्यों के त्योंहार के चित्र चिपकाओ अथवा बनाओ।**

पाठ-३ खिलौनेवाला

-सुभद्रा कुमारो चौहान

*** कठिन शब्द**

१-पहिने २-मचल

३-कमान ५-ताड़का

६-असुरों ७-मनचाही

*** शब्दार्थ**

१-पहिने-पहना हुआ **२-पुकार**-आवाज़

३-कमान-धनुष **४-ताड़का**-एक राक्षसी का नाम

५-असुर-राक्षस **६-वन**-जंगल

७-तपसी-तपस्या करनेवाला

*** अतिलघु प्रश्न के उत्तर**

१-खिलौनेवाली मोटरगाड़ी कैसी थी?

उ-खिलौनेवाली मोटरगाड़ी सर-सर-सर चलनेवाली थी।

२-खिलौनेवाला क्या कहकर खिलौने बेच रहा था?

उ-खिलौनेवाला "नए खिलौने ले लो भैया"कहकर खिलौने बेच रहा था।

३-मुन्नू व मोहन ने क्या-क्या खरीदा था?

उ-मुन्नू ने गुड़िया और मोहनने मोटरगाड़ी खरीदा था।

४-ताड़का का वध किसने किया था?

उ-ताड़का का वध श्रीराम ने किया था।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खिलौनेवाली रेल की कौन-कौन सी विशेषताएँ थीं?

उ-खिलौनेवाली रेल चाभी भर देने से भक-भक करती चलनवाली थी।

२-खिलौनेवाले के पास कौन-कौन से खिलौने थे?

उ-खिलौनेवाले के पास तोता, गेंद, मोटरगाड़ी,रेल,गुड़िया,टी-सेट,लोटा-थाली,धनुष-बाण,तलवार थे।

३-सरला की कौन-सी इच्छा पूरी न हो सकी और क्यों?

उ-सरला की साड़ी लेन की इच्छा पूरी न हो सकी क्योंकि उसके पास केवल चार पैसे थे।

४-बालक आज्ञाकारी पुत्र है। कविता के आधार पर सिदध कीजिए।

उ-बालक अपनी माँ की हर बात मानता है इस तरह बालक आज्ञाकारी पुत्र ह।

(व्याकरण-विभाग)

*** लिंग-** संज्ञा के जिस रूप से कसी जाति स्त्रीजाति या पुरुषजाति का बोध होता है, उसे लंग कहते हैं।

*** संज्ञा के दो भेद है-१-पुल्लिंग २-स्त्रीलंग**

* पुल्लिंग

जिस संज्ञा शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उसे पुल्लिंग कहते हैं उदाहरण –आदमी, सेठ आदि

* स्त्री लंग

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्रीजाति का बोध होता है, उसे स्त्री लंग कहते हैं उदाहरण– औरत, सेठानी।

(लेखन–विभाग)

पत्र–लेखन

* अपने वद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र ल खए, जिसमें बीमारी के कारण अवकाश लेने के लए प्रार्थना की गई हो।

दिनांक- 25 मई, 2019

सेवामें,

श्रीमान प्रधानाचार्यजी,

सर्वोदय वद्यालय,

सी.सी.कालोनी,

दिल्ली।

वषय-बीमारी के कारण छु ी के लए प्रार्थना-पत्र।

महोदय,

स वनय निवेदन यह हैं क मैं आपके वद्यालय की कक्षा दसवीं 'ब' का छात्र हूँ। मुझे कल रात से बहुत तेज ज्वर हैं। डॉक्टरने मुझे दो दिन आराम करने की सलाह दी हैं। इस कारण मैं आज वद्यालय में उपस्थित नहीं हो सकता। कृपया, मुझे दो दिन (25 मईसे 26 मई 2020) का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी शष्य

नरेशकुमार

कक्षा-पाँचवी

*** स्वाध्याय–विपरीत लिंग वाले रूप लिखिए।**

१–शिक्षक २–सिंह ३–देव

४–युवती ५–दासी

*** गतिविधि–खिलौनेवाले का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

पाठ-४ नन्हा फ़नकार

* कठिन शब्द

१-बुदबुदाई
२-कटाव
३-संगतराश
४-महीन-नफ़ीस
५-पुश्तैनी
६-तल्खी
७-मँझोला
८-मुआयना
९-वयस्क
१०-कौतूहल
११-फ़नकार
१२-शिल्पकार

* शब्दार्थ

१-नन्हा-छोटा
२ फ़नकार-कलाकार
३-बुदबुदाना-धीरे से बोलना
४ नक्काशी-पत्थर पर चित्र उकेरना
५ किरचे-पत्थर के टुकड़े
६ उकेरना-उतारना
७ संगतराश-साथ में नक्काशी करनेवाले
८ पुश्तैनी-खानदानी
९ आहट-आवाज़
१० तल्खी स-खींचकर
११ ज़ुर्रत-हिम्मत
१२ बदहवासी-घबराहट
१३ इत्मीनान-तसल्ली से
१४ त्यौरियाँ चढ़ जाना-गुस्सा आ जाना
१५ कौतूहल-जिज्ञासा, उत्सुकता

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१-केशव द्वारा किए गए नक्काशी के कार्यो में सर्वाधिक कठिन कार्य क्या था?

उ-केशव द्वारा किए गए नक्काशी के कार्यो में घंटियों को बनाना ही सबसे ज़्यादा मुश्किल था।

२-केशव मूल रुप से कहाँ का रहनेवाला था?

उ-केशव मूल रुप से आगरा का रहनेवाला था।

३-बादशाह अकबर ने सिर पर क्या धारण कर रखा था?

उ-बादशाह अकबरने ने सिर पर लाल रंग की पगड़ी धारण कर रखी थी।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१-केशव अपनी आँखे कब, किस कारण से सिकोड़ लेता था?

उ-हथौड़े के वार से पत्थर पर जो कटाव उभरता उससे पत्थर की किरचें छितरा जातीं और वह आँखे सिकोड़ लेता।

२-केशव किसके कदमों की आहट से अनजान था और क्यों?

उ-केशव बादशाह अकबरकी आहट से अनजान था क्योंकि चारों ओर हो रही छेनी-हथौड़ो की ठक-ठक, खड़-खड़ क बीच केशव को किसीक कदमों की आहट भी न सुनाई पड़ी।

३-पहरेदार के जाने के बाद केशव किस दुविधा में था?

उ-पहरेदारके जाने के बाद केशव असमंजस में था कि उसे क्या करना चाहिए। वापस अपना नक्काशी का काम शुरु कर या बादशाह के हुक्म के इंतजार में खड़ा रहे।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१–केशव कौन था? उसने अपने बारे में क्या भविष्यवाणी कर रखी थी?

उ–केशव दस साल का लड़का था।उसे विश्वास था कि एक दिन वह भी अपन पिता की तरह सुंदर ड़िजाइन पत्थर पर उकेरने में सफ़ल होगा।

२–पहरेदार की कौन–सी दखलअंदाजी अकबर को पंसद नहीं आई और क्यों?

उ–बादशाह अकबर चाहते थे कि केशव उन्हें एक साधारण व्यक्ति समझकर ही उनसे बातें करे। उन्हें अपना व अपन नक्काशी के हुनर के बारे में बताए। अकबर को उससे बातें करने में आनंद आ रहा था इसलिए उन्हें पहरेदार की दखलअंदाजी अच्छी नही लगी।

३–केशव ने अकबर की गलती को किस प्रकार पकड़ा? बादशाह से चूक हो जाने पर केशव की क्या प्रतिकिया होती थी?

उ–अकबर ने पत्थर पे छेनी रखकर जोर से हथौड़े पर वार किया, जिससे कटाव ज्यादा गहरा हो गया। केशव ने तुरंत गलती पकड़ी। बादशाह से चूक हो जाने पर केशव बादशाह को हल्के हाथ से वार करने को कहता।

(व्याकरण–विभाग)

* वचन– शब्द के जिस रूप से उसके एक अथवा अनेक होने का पता चले, उसे वचन कहते है।

1- <u>एकवचन</u> -

संज्ञा के जिस रूप से एक ही वस्तु, पदार्थ या प्राणी का बोध होता है, उसे एक वचन कहते हैं!

उदाहरण - लड़की, बेटी, घोड़ा, नदी आदि !

2- <u>बहुवचन</u> -

संज्ञा के जिस रूप से एक से अ धक वस्तुओं, पदार्थों या प्रा णयों का बोध होता है, उसे बहुवचन कहते हैं !

उदाहरण - लड़ कयाँ, बेटियाँ, घोड़े, नदियाँ आदि|

(लेखन–विभाग)

निबंध

वर्षाऋतु–

- वर्षाऋतु को सभी ऋतुओं का रानी कहा जाता है। भारत में चार मुख्य ऋतुओं में वर्षाऋतु एक है। यह हर साल गरमी के मौसम के बाद जुलाई से शुरु होकर सतंबर तक रहता है। गर्मी के मौसम में तापमान अ धक होने के कारण पानी के संसाधन जैसे महासागर, नदी आदि वाष्प के रुप में बादल बन जाते है। वाष्प आकाश में इक ा होती है और बादल बन जाते है जो वर्षाऋतु में चलते है जब मानसून बहता है और बादल आपस में घर्षण करते है। इस से बिजली चमकती और गरजती है औ फर बारिश होती है।कड़कड़ाती गर्मी के बाद जून और जुलाई के महीने में वर्षाऋतु का आगमन होता है और लोगोंको गर्मी से काफी राहत मलती है।

- वर्षाऋतु एक बहुत ही सुहाना ऋतु है। वर्षाऋतु आते ही लोगों में खासकर के कसानों में खु शयों का संचार हो जाता है। वर्षाऋतु सर्फ गर्मी से ही राहत नहीं देता है बल्कि यह खेती के लए वरदान है। बहुत सारे फसल अच्छी वर्षा पर निर्भर करता है। अगर अच्छी वर्षा नहीं हुई तो ज्यादा उपज नहीं

हो पाएगा, जिससे लोगों को सस्ते में अनाज नहीं मल पाएगा।वर्षाऋतु के अपने फायदे और नुकसान है। बारिश का मौसम सभी को अच्छा लगता है क्यों क यह सूरज की तपती गर्मी से राहत देता है। यह पर्यावरण से सभी गर्मी को हटा देता है और एक ठंडक एहसास होता है। यह पेड़, पौधे, घास, फसल और सब्जियों आदि को बढ़ने में मदद करता है।

- यह मौसम सभी जानवरों और प क्षयों को भी बेहद पसंद होता है क्यों क उन्हें चरने के लये ढेर सारी घास और पीने के लये पानी मल जाता है और इससे हमें दिन में दो बार गाय और भैंसों का दूध उपलब्ध हो जाता है। सभी प्राकृतिक संसाधन जैसे नदी और तालाब आदि पानी से भर जाते है। आ खरकार सभी के द्वारा वर्षाऋतु को बहुत पसंद कया जाता है । हर तरफ हरियाली ही दिखाई देती है। पेड़, पौधे और लताओं में नयी पत्तियाँ आ जाती है। फूल खलना शुरु हो जाते है। हमें आकाश में इन्द्रधनुष देखने का बेहतरीन मौका मलता है।

-इस मौसम में सूरज भी लुका-छिपी खेलता है। मोर और दूसरे पक्षी अपने पंखों को फैलाकर झूमने लगते है। हम सभी वर्षाऋतु का आनन्द स्कूल और घर दोनों जगह लेते है।

*** स्वाध्याय- शब्दों के एकवचन और बहुवचन रूप लिखिए।**

१-छात्रा २-कुर्सियाँ ३-पुस्तक
४-गायों ५-घड़ा

*** गतिविधि-** बादशाह अकबर का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-५ जहाँ चाह वहाँ राह

*** कठिन शब्द**

१-टाँका
२-अनुठी
३-मिसाल
४-घुटने टेकना
५-माहिर
६-परिधान
७-प्रदर्शनी
८-तरकारी

*** शब्दार्थ**

१-परिधान-वस्त्र
२-टाँका-हाथ कीसिलाई
३-अनूठी-अदभूत
४-मिसाल-उदाहरण
५-घुटने टकना-झुकना
६-माहिर-निपुण
७-विश्वाश-भरोसा
८-प्रदर्शनी-नुमाइश
९-तरकारी-सब्जियाँ
१०-वस्त्र-कपड़ा

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१-खेल से मनभर जाने पर बच्चे क्या करते थे?
उ-खेल से मनभर जाने पर बच्चे पेड़ की ड़ालियों पर झूला झूलते थे।

२-बच्चों के साथ कभी-कभार इला किस खेल में शामिल हो जाती थी?
उ-बच्चों के साथ कभी-कभार इला पकड़म-पकड़ाई और विष-अमृत के खेल में शामिल हो जाती थी।

३-इला 15-16 वर्ष की होत होते किस कशीदाकारी में दक्ष हो गई थी?
उ-इला 15-16 वर्ष की होत होते काठियावाड़ी कशीदाकारी में दक्ष हो गई थी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-बच्चों के साथ खेलत समय इला धप्पा क्यों नहीं कर पाती थी?
उ-बच्चों के साथ खेलते समय इला धप्पा नहीं कर पाती थी क्योंकि उसके हाथ हो नहीं उठते थे।

२-इला को स्कूल में आसानी से दाखिला क्यों न मिल सका?
उ-क्योंकि कहीं तो उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता थी, कहीं उसकी काम करन की गति को लेकर।

३-"इला के पाँव अब थकते नहीं थे।"पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
उ-पारंपरिक ड़िजाइनों में इला माहिर हो चुकी थी इस तरह कह सकते है कि इला के पाँव अब थकते नहीं थे।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-इला अपने मित्रों के साथ खेलकूद में पूर्णतः शामिल होने में स्वयं को किस प्रकार विवश पाती थी?
उ-इला अपने मित्रों के साथ गाना गाने में साथ तो दे पाती थी, परंतु जब धप्पा करने की बारी आती तो हाथ न होने के कारण वो धप्पा न कर पाती थी। इसप्रकार इला अपने मित्रों के साथ खेलकूद में पूर्णतःशामिल होने में स्वयं को विवश पाती थी।

२-दसवीं की परीक्षा देने में इला को किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ा?

अतः परिणाम क्या निकला?

उ-दसवीं की परीक्षा जब देने की बारी आयी तब इला के हाथ न होने के कारण वो परीक्षा में लिख न पाई। इला को ये न पता था कि उसकी जगह कोई और परीक्षा में लिख सकता था। इस तरह हाथ न होने के कारण इला दसवीं की परीक्षा पास न कर पाई।

(व्याकरण-विभाग)

* **कारक-** संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के अन्य शब्दों के साथ जाना जाता है, उसे कारक कहते हैं।

* **कारक के उदाहरण-**
१-कर्ताकारक = ने
२-कर्मकारक= को
३-करण कारक= से, के द्वारा
४-संप्रदान कारक= को, के लिए
५-अपादानकारक= से
६-अधिकरण कारक= में, पर
७-संबंध कारक= का, की, के
८-संबोधन कारक= हे, अरे

* **कारक के भेद पहचानकर उनके नाम लिखिए।**

१-राधा नृत्य करती है। उ-कर्ताकारक
२-शिक्षक बच्चों को पढ़ातेहैं। उ-कर्मकारक
३-मोहन सोहन से छोटा है। उ-अपादानकारक
४-श्यामा की गाय काली है। उ-संबंध कारक
५-गरीब को दान दो। उ-अधिकरण कारक
६-छात्र कलम से लिखता है। उ-करण कारक

(लेखन-विभाग)

अनुच्छेद

* स्वतंत्रता दिवस-

प्रतिवर्ष 15 अगस्त के दिन को भारतवासी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाते हैं। भारतको 15 अगस्त, 1947 के दिन वह सुनहरी आजादी प्राप्त हुई थी जिसका लोगों को वर्षों से इंतजार था। इस दिन भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरूने लाल कले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। लोग गुलामी की जंजीरें तोड़कर बहुत प्रसन्न हुए थे। तब से भारत बहुत उन्नति कर चुका है। भारत के लोग आज भी अपना स्वतंत्रता दिवस स्बहुत उत्साह से मनाते हैं। प्रधानमंत्री लाल कले पर झंडा फहराकर राष्ट्र को संबो धत करते हैं। वे राष्ट्रको एक जुट रहने तथा अपनी स्वतंत्रता को बरकरार रखने की प्रेरणा देते हैं। देश के व भन्न भागों में इसदिन चहल-पहल होती है। लोग तिरंगा झंडा फहराकर एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हैं। यह दिवस हमें अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों का स्मरण करा जाता है। स्वतंत्रता दिवस के कई दिन पूर्व से ही देश में इसे

मनाने हेतु तैयारियाँ प्रारंभ हो जाती हैं। देश की राजधानी दिल्ली में तो उसका आयोजन वशेष रूप से होता है। इसदिन प्रतिवर्ष देश के प्रधानमंत्री लाल कले पर ध्वजारोहण करते हैं तथा राष्ट्रगान गाया जाता है। इस समारोहमें अनेक नेता, राजनयिक तथा देश- वदेशके अन्य गणमान्य व्यक्ति सम्मि लत होते हैं| भारतवासी उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प प्रकट करते हैं। स्वतंत्रता दिवस भारत के लोगों को आपसी मतभेद भुलाकर देश के नवनिर्माण की प्रेरणा देता है।

---

* **स्वाध्याय-कारक के भेद पहचानकर उनके नाम लिखिए।**

१-राधा नृत्य करती है।　　२-शिक्षक बच्चों को पढ़ाते हैं।
३-मोहन सोहन से छोटा है।　　४-श्यामा की गाय काली है।
५-गरीब को दान दो।

* **गतिविधि-आप बड़े होकर जो बनना चाहते है उसका चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

पाठ-६ चिटठी का सफ़र

*** कठिन शब्द**

१-भौगोलिक
२-परिवहन
३-संस्थान
४-संचार
५-दुर्गम
६-प्रवासी
७-ज़ाहिर
८-सीमित
९-प्रशिक्षित
१०-उपलब्ध

*** शब्दार्थ**

१ **निर्भर**-आश्रित, टिका हुआ
२ **भौगोलिक**-भूमि से संबंधित
३ **ज़ाहिर**-साफ़ करना, बताना
४ **सीमित**-कम
५ **प्रवासी**-दूसरे देश के लोग
६ **संकट**-मुसीबत
७ **संस्थान**-काम का स्थल
८ **प्रशिक्षित**-जानकार
९ **परिवहन**-यातायात
१० **दुर्गम**-कठिन

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१-पिनकोड़ किसे कहते हैं?
उ-पिनकोड़ एक पोस्टल नम्बर होता है जो 6 अंको का होता है।

२-हूमर कबूतर को किस काम के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है?
उ-हूमर कबूतर को दुर्गम इलाकों में संदेश पहुँचाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-पत्र का अपने सही पते और समय पर पहुँचना किन बातों पर निर्भर करता है?
उ-पत्र का अपने सही पते और समय पर पहुँचना उसके पिनकोड़ और ड़ाक-टिकट पर निर्भर करता हैं।

२-हरकारों का काम जोखिम से भरा होता है, कैसे?
उ-हरकारों को चिटठी की सुरक्षा करनी पड़ती थी। जंगल के रास्ते में जाते हुए जंगली जानवरों का डर और डाकू-लुटेरों का ड़र बना रहता था।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१ नाम न होने पर क्या समस्या आती है?
उ-नाम न होने पर यह पता करना कठिन होता है कि पत्र किसका है। एक ही नाम के कई लोग होते हैं।

२ हूमर कबूतर अपनी किन विशेषताओं के कारण प्रसिदध है?
उ- हूमर कबूतर जिसे प्रशिक्षित करके ड़ाक-संदेश भेजने के काम में लाया जाता है।उड़ीसा पुलिस खास तौर पर हूमर कबूतरों का इस्तेमाल राज्य के कई दुर्गम इलाकों में संदेश पहुँचाने के लिए कर रही है।

(व्याकरण-विभाग)

*** सर्वनाम-** संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त शब्दों को सर्वनाम कहते है।

*** सर्वनाम के छः भेद होते हैं।**

१-पुरुषवाचक सर्वनाम
२-निजवाचक सर्वनाम
३-निश्चयवाचक सर्वनाम
४-अनिश्चयवाचक सर्वनाम
५-संबंधवाचक सर्वनाम
६-प्रश्नवाचक सर्वनाम

१- पुरुषवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के स्थान पर कया जाता है उन्हें पुरुषवाचक सर्वनाम कहते हैं।जैसे - मैं, तुम, हम, आप, वे।

२-निजवाचक सर्वनाम- जो सर्वनाम शब्द करता के स्वयं के लए प्रयुक्त होते हैं उन्हें निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे :स्वयं, आपही, खुद, अपनेआप।

उदाहरण:

उसने अपने आपको बर्बाद कर लया

मैं खुद फोन कर लूँगा।

तुम स्वयं यह कार्य करो।

३-निश्चयवाचक सर्वनाम - जिन सर्वनाम शब्दों से कसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध होता है उसे निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

जैसे : यह, वह, ये, वे।

उदाहरण :

यह मेरी घडी है।

वह एक लड़का है।

वे इधर ही आ रहे हैं।

(लेखन-विभाग)

निबंध

* रक्षाबंधन-

- भारत त्योहारों का देश है । यहाँ विभिन्न प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं । हर त्योहार अपना विशेष महत्त्व रखता है । रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक त्योहार है । यह भारत की गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतीक त्योहार भी है । यह दान के महत्त्व को प्रतिष्ठित करने वाला पावन त्योहार है । इस अवसर पर विवाहित बहिनें ससुराल से मायके जाती हैं और भाइयों की कलाई पर राखी बाँधने का आयोजन करती हैं । वे भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं तथा राखी बाँधकर उनका मुँह मीठा कराती हैं ।भाई प्रसन्न होकर बहन को कुछ उपहार देता है ।प्परिवार में खुशी का दृश्य होता है ।

- रक्षाबंधन के अवसर पर बाजार में विशेष चहल-पहल होती है । रंग-बिरंगी राखियों से दुकानों की रौनक बढ़ जाती है । लोग तरह-तरह की राखी खरीदते हैं । हलवाई की दुकान पर बहुत भीड़ होती है । लोग उपहार देने तथा घर में प्रयोग के लिए मिठाइयों के पैकेट खरीदकर ले जाते हैं ।श्रावण पूर्णिमा के दिन मंदिरों में विशेष पूजा- अर्चना की जाती है । लोग गंगाजल लेकर मीलों चलते हुए शिवजी को जल चढ़ाने आते हैं ।

- घर में पूजा-पाठ और हवन के कार्यक्रम होते हैं । रक्षाबंधन के दिन दान का विशेष महत्त्व माना गया है । बालक-

बालिकाएँ नए वस्त्र पहने घर-आँगन में खेल-कूद करते हैं । बहन भाई की कलाई में राखी बाँधकर उससे अपनी रक्षा का वचन लेती है । भाई इस वचन का पालन करता है । इस तरह पारिवारिक संबंधों में प्रगाढ़ता आती है । लोग पिछली कडुवाहटों को भूलकर आपसी प्रेम को महत्त्व देने लगते हैं ।इस तरह रक्षाबंधन का त्योहार समाज में प्रेम और भाईचारा बढ़ाने का कार्य करता है । संसार भर में यह अनूठा पर्व है । इसमें हमें देश की प्राचीन संस्कृति की झलक देखने को मिलती है ।

-ये कहना अतिश्योक्ति न होगी कि,रक्षा की कामना लिये भाई–चारे और सदभावना का ये धार्मिक पर्व सामाजिक रंग के धागे से बंधा हुआ है। जहाँ लोग जातिय और धार्मिक बंधन भूलकर एक रक्षासूत्र में बंध जाते हैं।

राखी का त्यौहार है,
हर तरफ खुशियों की बौंछार है,
बंधा एक धागे में भाई बहन का अटूट प्यार है!

*** स्वाध्याय–सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।**

१–तुम्हारे घर का रास्ता सीधा नहीं है।
२–यह किसकी कलम है?
३–तुम स्वतः आ जाना।
४–हमारी गाय तो दोनों स्मय दूध देती है।
५–कौआ बोल रहा है,घर में कोई आएगा।

*** गतिविधि–ड़ाक–टिकट एकत्र करके लगाओ।**

पाठ-७ डाकिए की कहानी, कँवरसिंह की जुबानी

-प्रतिमा शर्मा

*** कठिन शब्द**

१ पैकर २ इम्तिहान

३ भयंकर ४ प्रशस्ति

५ रजिस्ट्रि

*** शब्दार्थ**

१ घटना-किस्सा, माज़रा २ पैकर-पैकिंग करनेवाला

३ गुनगुनी-हल्की ४ पुरस्कार-इनाम

५ इम्तिहान-परीक्षा ७ भयंकर-बहुत तेज़

८ प्रशस्ति पत्र-तारीफ़, बड़ाई का पत्र

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१ डाक सेवक किन-किन चीज़ो को पहुँचाने का कार्य करता है?

उ-डाक सेवक पत्र, पार्सल, रजिस्ट्रि-पत्र, बिल, पेंशन आदि गाँव-गाँव पहुँचाने का काम करता हैं।

२ पकर से डाकिया कैसे बना जाता है?

उ-एक इम्तिहान पास करने के बाद पैकर से डाकिया बना जाता हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कँवरसिंह और उनके परिवार के सदस्यों के बारे में बताइए।

उ-कँवरसिंह ने बताया कि उनके चार बच्चे हैं, तीन बेटी, एक बेटा। दो बेटियाँ बारहवीं पास हैं और एक बेटी और बेटा दसवीं तक पढ़े हैं।एक और बेटा था जिसकी मौत पहाड़ी से फ़िसल कर हो गई थीं।

२ कँवरसिंह ने अब तक किन-किन जगहों पर ड़ाक सेवाएँ दी हैं?

उ-कँवरसिँह ने किब्बर गाँव और किन्नौर ज़िले में नौकरी की हैं।

३ स्नोबाईट किसे कहते हैं?

उ-स्नोबाईट पहाड़ी इलाको में ज्यादा ठंड पड़ने पर या बर्फ में चलने पर पैर नीले हो - जाते हैं, उनमें गैंगरिन हो जाता है और पैरो की उँगलियाँ झड़ जाती हैं। इसे स्नोबाइट कहते हैं।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१ भारतीय डाक सेवा अन्य देशों की डाक सेवा से किस प्रकार अच्छी है?

उ-हमारे देश की डाक सेवा आज भी दुनिया की सबसे बड़ी डाक सेवा है और सबसे सस्ती भी।केवल पाँच रुपए में देश के किसी भी कोने में हम चिटिठी भेज सकते हैं।

२ "ग्रामीण डाकिये की ज़िंदगी में तो चलना ही चलना है।"यह बात किसने किस संदर्भ में कही है?

उ-हिमाचल में एक गाँव से दूसरे गाँव की दूरी लगभग चार या पाँच किलोमीटर तक

होती है। इन्हें डाक पहुँचाने के लिए लगभग 26 किलोमीटर रोज़ाना एक गाँव से दूसरे गाँव चलकर जाना पड़ता था। इसलिए कहा गया है कि, "ग्रामीण डाकिये की जिंदगी में तो चलना ही चलना हैं।

३ उस घटना का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए, जिसके कारण कँवरसिंह की एक आँख बेकार हो गई।

उ–कँवरसिंह ने अपनी जान पर खेलकर डाकघर की चीजों को बचाया। इसमें उनके सिर पर भी कई टाँके लगे। उनकी एक आँख भी खराब हो गई।डाकघर की चीजें बचाने के लिए सरकार ने उन्हें "बैस्ट पोस्टमैन" की उपाधि दी।

(व्याकरण–विभाग)

१–अनिश्चयवाचक सर्वनाम -

जिन सर्वनाम शब्दों से किसी निश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध नहीं होता है उसे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

लस्सी में कुछ पड़ा है।

भिखारी को कुछ दे दो|

२–सम्बन्धवाचक सर्वनाम - जिस सर्वनाम से वाक्य में किसी दूसरे सर्वनाम से सम्बन्ध ज्ञात होता है|

उदाहरण :

जहाँ चाह वहाँ राह।

जैसा बोओगे वैसा काटोगे|

३–प्रश्नवाचक सर्वनाम -जिन सर्वनाम से वाक्य में प्रश्न का बोध होता है उसे प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण :

रमेश क्या खा रहा है ?

कमरे मैं कौन बैठा है ?

(लेखन–विभाग)

पत्र–लेखन

अपने क्षेत्र में डाक-व्यवस्था दुरुस्त करने के लए अपने क्षेत्र के डाकपाल को प्रार्थना-पत्र ल खए।

141, साकेतनिवासी संघ,

मेरठ।

दिनांक16 मई, 2020

सेवामें,

डाकपाल महोदय,

मुख्यडाकघर,

मेरठकैन्ट,

मेरठ।

वषय-इलाके में डाक व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु।

महोदय,

मैं आपका ध्यान साकेतनिवासी संघ, मेरठ की ओर केन्द्रित कराना चाहता हूँ, हमारे क्षेत्र का डा कया अपने कार्य के प्रति अत्यन्त लापरवाही दिखा रहा है। वह हमारे पत्र घर के बाहर फ़ेंककर चला जाता है, या फर छोटे बच्चों को पकड़ा देता है। इस से पत्रों के खोने का डर हमेशा बना रहता है। अ धकांश घरों के द्वार पर 'पत्र-पेटिका' लगी हुई है, परन्तु वह उनमें पत्र नहीं डालता। हमने डा कये से कई बार हाथ जोड़कर निवेदन भी कया है क वह पत्रों को सही जगह पर डाले, पर जैसे वह हमारी बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकालदेता है।

अतःआप से वनम्र प्रार्थना है क आप उसे चेतावनी देते हुए कार्य के प्रति पूरी ईमानदारी बरतने को कहें।

आपकी इस कृपा के लए हम सदैव आभारी रहेंगे।

भवदीय

हस्ताक्षर......

स चव

कशोर

साकेतनिवासी संघ

*** स्वाध्याय-सर्वनाम के भेद लिखिए।**

१-इतनी बारिश में कौन आएगा?

२-जो यह काम करेगा, वह बोले।

३-ये कितने सुंदर फूल है।

४-उसे खुद चलकर आने दो।

५-तुमलोग वहाँ बैठ जाओ।

*** गतिविधि-ड़ाकिया का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

पाठ-8 वे दिन भी क्या दिन थे

-आइज़क असीमोव

*** कठिन शब्द**

१ पृष्ठ
२ पश्चात
३ आरंभ
४ उबाऊ
५ रफ़्तार
६ साम्रगी
७ नियमित
८ उत्सुकता

*** शब्दार्थ**

१ पृष्ठ-पन्ना
२ उबाऊ-मन भर जाना
३ रफ़्तार-गति, तेजी
४ आरंभ-शुरुआत
५ भिन्न-अलग
६ पश्चात-बाद
७ सिलसिला-क्रम

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१-कागज़ी पुस्तक में किस बारे में लिखा था?

उ-कागज़ी पुस्तक में कहानियों के बारे में लिखा था।

२-कुम्मी रोज़ किसके सामने बैठकर पढ़ती है?

उ-कुम्मी रोज़ मशीन रुपी टेलिविजन के सामने बैठकर पढ़ती हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१-कुम्मी ने अपनी डायरी में किस घटना का उल्लेख किया था?

उ-कुम्मीने रोहित को एक सचमुच की पुस्तक मिली थी इस बात का उल्लेख किया था।

२-रोहित टेलीविज़न पे दिखाई जाने वाली पुस्तक और कागज़ी पुस्तक में से किसे और किस प्रकार श्रेष्ठ साबित करता है?

उ-रोहितने टेलिविज़न की पढ़ाई को श्रेष्ठ बताया क्योंकि उसमें नई-नई अनेको पुस्तकें आती है।कागज़ी पुस्तक में तो कागज़ की बरबादी हैं। एक बार पढ़ी फ़िर पुस्तक बेकार।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१-कुम्मी को स्कूल का काम उबाऊ क्यों लगता हैं?

उ-कुम्मी का स्कूल एक मशीन था जिसके सामने बैठकर मशीन बताती है कि क्या पढ़ना हैं।काम करके उस मशीन में डाल देना होता है फिर गलतियों का सुधार कर मशीन कुम्मी को समझाती।ये सब कुम्मी को उबाऊ लगता था।

२-पुराने ज़माने का स्कूल, कुम्मी-रोहित के स्कूल से किस प्रकार भिन्न था?

उ-पुराने ज़माने के स्कूल एक इमारत में, एक समूह में बच्चे बैठाए जाते थे और अध्यापक पढ़ाते थे।कुम्मी के स्कूल में घर पर टेलिविज़न पर्दे पर पाठ चलता हैं।

(व्याकरण-विभाग)

* **विशेषण-** जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम की विशेषता गुण, संख्या, मात्रा या परिणाम आदि बताए उसे विशेषण कहते हैं।

* **विशेषण के भेद**-गुण, संख्या और परिमाण के आधार पर विशेषण के चार भेद बताए गए हैं।

१-सार्वनामिक विशेषण
२-गुणवाचकविशेषण
३-संख्यावाचकविशेषण
४-परिमाणवाचक विशेषण

१- सार्वनामिक विशेषण- जो सर्वनाम शब्द संज्ञा के पहले आकर विशेषण का काम करता है, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते है।

जैसे- उस लड़की को पुरस्कार मिला।
वह घर नीलम का है।

२-गुणवाचक विशेषण- जिस विशेषण से संज्ञा या सर्वनाम के गुण या दोष का बोध हो उसे गुणवाचक विशेषण कहते है।

जैसे- राधा सातवीं कक्षा में पढ़ती है।
मोहन का दूसरा भाई डॉक्टर है।

३-संख्यावाचक विशेषण- जिन शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम के गुण का बोध न होकर उसकी संख्या का बोध होता है उन्हें संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

दूसरी लड़की को पुरस्कार मिला था।
कुछ छात्रों ने गृहकार्य नहीं किया।
आज दफ्तर में काम कम है।

४-परिणामवाचक विशेषण- जिन विशेषण शब्दों से किसी वस्तु के परिमाण, मात्रा, माप या तोल का बोध हो परिणामवाचक विशेषण कहलाते है।इस के दो भेद होते है।

जैसे- दाल में थोड़ा घी और डालो।
दो मीटर कपड़ा लाना।

(लेखन-विभाग)
सूचना-लेखन

*** विद्ययालय की और से "चिड़ियाघर की सैर"की योजना हेतु सूचना लेखन लिखिए।**

पुना इन्टरनेशनल स्कूल, झुंड़ाल
सूचना

दिनांक-15-8-2020
प्रिय छात्रों।
18 अगस्त, 2020 को विद्यालय की और से "चिड़ियाघर"जाने का आयोजन किया जाा रहा हैं। विद्यालय की ओर से कक्षा-३ से ९ तक के बच्चें इस आयोजन में शामिल हो सकते है।चिड़ियाघर आने वाले इच्छुक विदयार्थी 16 अगस्त, 2020 तक अपना नाम अपनी कक्षा अध्यापिका को लिखवा दे।
अमित शर्मा

सचिव, स्कूल विभाग

* **स्वाध्याय-रेखांकित शब्दों के विशेषण भेद लिखिए।**

१-हिंदुस्तान एक दैनिक अखबार है।

२-यह किताब सस्ती है।

३-कई खिड़कियों में शशि नहीं है।

४-रतन पाँचवी कक्षा में पढ़ता है।

५-दुकानदार के पास बारह मन गेहुँ है।

* **गतिविधि-संदेश-वाहक साधनों के चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।**

कविता-१ एक माँ की बेबसी

-कुँवर नारायण

*** कठिन शब्द**

१ बरसों
२ कामयाब
३ अदृश्य
४ अजूबा
५ भयभीत

*** शब्दार्थ**

१ बरसो-पुराना
२ कामयाब-जीतना
३ अदृश्य-जो दिखाई न दे
४ भिन्न-ालग
५ भयभीत-डरा हुआ
६ बेबसी-लाचार

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कविता में रतन की तुलना किससे की गई हैं?

उ-कविता में रतन की तुलना टूटे खिलौने से की गई हैं।

२ रतन सभी बच्चों को अजूबा क्यों लगता था?

उ-क्योंकि वह सामान्य बच्चों की तरह बोल नहीं पाता था।

३ कविता के लिए दूसरा उपयुक्त शीर्षक बताइए।

उ-"टूटा हुआ अनमोल खिलौना"

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ रतन अन्य बच्चों से किस प्रकार भिन्न था?

उ-रतन अन्य बच्चों से भिन्न था क्योंकि वह अन्य बच्चों की तरह बोल नहीं सकता था।

२ बच्चे रतन के साथ खेलते हुए क्यों घबराते थे?

उ-क्योंकि बच्चे उसकी भाषा, घबराहटों, इशारों को समझ नहीं पाते थे।

(व्याकरण-विभाग)

*** क्रिया- जिन शब्दों से किसी कार्य का करना या होना व्यक्त हो उसे क्रिया कहते हैं। जैसे- रोया, खा रहा, जायेगा आदि।**

*** क्रिया के दो भेद है-**

१- **<u>सकर्मक क्रिया</u>** :

जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं!

उदाहरण - राम रोटी खाता है! (खाना क्रिया के साथ कर्म रोटी है)

२- **अकर्मक क्रिया** :

अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है!

उदाहरण - राम गाता है! (कर्म का अभाव है तथा गाता है क्रिया का फल राम पर पड़ता है)

(लेखन-विभाग)
अनुच्छेद

*** वृक्षारोपण-**

*आदिकाल से वन मनुष्य की जरूरतओं की पूर्ति करते आ रहे हैं। हमारे जीवन में वृक्षों का महत्वपूर्ण स्थान पेड़ पौधे मनुष्य को अनाज, जड़ी बूटी, फल फूल और ईंधन उपलब्ध कराते हैं। मकान बनाने के लिए लकड़ी देते हैं। सबसे बड़ी बात पेड़ प्राणियों को शुद्ध वायु प्रदान करते हैं, प्रदूषण को रोकते हैं, पानी के बहाव एवं मिट्टी के कटाव को रोकते हैं और पर्यावरण के संतुलन को बनाने में सहायक होते हैं। आज से सौ वर्ष पूर्व भारत के पास अपार वन सम्पदा थी। किन्तु औद्योगीकरण एवं शहरीकरण के कारण गाँव, शहरों में बदलते जा रहे हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। शहर इमारतों व फैक्ट्रियों के विस्तार द्वारा सीमेंट के जंगल बनते जा रहे हैं। वृक्षों की कटाई एवं वनों के विनाश के कारण भूमि क्षरण, मौसम में भारी परिवर्तन उठाये हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद वन महोत्सव कार्यक्रम चलाया गया था। आज भी हरे भरे पेड़ों को काटना कानूनन अपराध है। सरकार ने कई राज्यों में राष्ट्रीय उद्यान एवं अभ्यारण्य स्थापित किये हैं। वर संरक्षण के लिये बहुत अधिक प्रयास किये जा रहे हैं। विद्यालयों में भी इसको प्रोत्साहित करने के लिए बच्चों से वृक्ष लगवाये जाते हैं।'हर जन्मदिन पर एक वृक्ष लगायें, भारत को हरा भरा बनायें'| वृक्ष हमारे संरक्षक हैं इसलिए हमें उनकी संख्या में वृद्धि करनी चाहिये, परन्तु केवल नारे लगाने से कुछ नहीं होगा और उनको कटने से बचाना चाहिये।

*** स्वाध्याय-किया को पहचानकर लिखिए।**

१-बच्चा सो रहा था।
२-गुड़िया घरौदा बना रही है।
३-चिड़ियाँ उड़ चली।
४-छात्र लौट आए।
५-उमेश तबला बजा रहा है।

*** गतिविधि-कविता में दिया गया माँ और बेटे का चित्र बनाइए अथवा चिपकाओ।**

पाठ-१० एक दिन की बादशाहत

-जीलानी बानो (अनुवाद-लक्ष्मीचंद्र गुप्त)

*** कठिन शब्द**

१ तरकीब
२ खिदमत
३ दरखास्त
४ पाबंदी
५ आपा
६ तकरार
७ गुसलखाना
८ हुक्म

*** शब्दार्थ**

१ पाबंदी-रोक
२ तकरार-झगड़ा
३ दरखास्त-प्रार्थना
४ खिदमत-सेवा में
५ ऊधम-शोर
६ आपा-बड़ी बहन
७ बेबस-लाचार
८ गुसलखाना-स्नानघर
९ खून का घूँट पीना-गुस्सा दबा देना
१० इम्तिहान- परीक्षा
११ मुआयना-जाँच करना
१२ निहायत-बिल्कुल
१३ हुक्म-आदेश
१४ हर्ज-नुकसान

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१)आरिफ़ और सलीम सुबह-सुबह कैसे सपने देखते थे?

उ-आरिफ़ और सलीम सुबह कव्वाली गाने या आइस्क्रीम खाने के सपने देखते थे।

२)अम्मी के अधिकार किसके द्वारा छिने गए थे?

उ-अम्मी के अधिकार आरिफ़ और सलीम द्वारा छिने गए थे।

३)दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद क्या-क्या करती थीं?

उ-दादी सुबह नमाज़ पढ़ने के बाद दवाइयाँ खाती और बादाम का हरीरा पीती थी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ आरिफ़-सलीम ने मिलकर अब्बा के सामने क्या दरखास्त रखी?

उ-आरिफ़-सलीम ने अब्बा के सामने दरखास्त रखी कि, "एक दिन के लिए बड़े बच्चे बने
और बड़ो के अधिकार बच्चों को दिए जाए।

२ आरिफ़ ने अपनी योजना की शुरूआत कैसे की?

उ-आरिफ़ ने बहुत सवेरे अपनी अम्मी को झिंझोड़कर योजना की शुरूआत की।

३ सलीम ने अब्बा के हुलिये की किस प्रकार से आलोचना की?

उ-सलीम ने अब्बा के हुलिये के बारे में बताया कि बाल बढ़े हुए है,शेव बनाई नहीं है,
कपड़े मेले हैं।"

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१- सलीम ने अम्मी को टोककर क्या कहा? अम्मी को खाना छोड़कर गुसलखाना क्यों-

जाना पड़ा?

उ-सलीम ने अम्मी को टोकते हुए कहा कि आपके दाँत कितने गंदे हो रहे है। जिसे -

सुनकर अम्मी झेप गई और खाना छोड़कर गुसलखाने की और चल दी।

२ अब्बा का हँसते-हँसते बुरा हाल क्यों हो गया?

उ-अब्बा का हँसते-हँसते बुरा हाल हो गया क्योंकि आरिफ़ ने अब्बा की अच्छे से नकल

उतारी थी।

(व्याकरण-विभाग)

*** मुहावरे-**

वह वाक्य या वाक्यांश जो अपना साधारण अर्थ छोड़कर किसी विशेष अर्थ को प्रकट करता है, उसे मुहावरा कहते हैं। जैसे -

१- अक्ल पर पत्थर पड़ना
अर्थ- बुद्धि से काम न लेना
२- अगर मगर करना
अर्थ- बहाना बनाना, टालमटोल करना
३- अंग अंग ढीला होना
अर्थ- बहुत थक जाना
४- अंगारे उगलना
अर्थ- अत्यधिक क्रोधित होना
5- अंगूठा दिखाना
अर्थ- कार्य करने से साफ मना करना
6- अंत पाना
अर्थ- भेद जानना

लेखन-विभाग

*** पत्र-लेखन**

विदयालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था कराने हेतु प्रधानाचार्याजी को प्रार्थना पत्र

लिखिए।

दिनांक-:१२-१०-२०२०

पुज्यनीय प्राचार्य,

संत के व् स्कूल, मुम्बई

आदरनिय प्राचार्य महोदय,

मैंने यह पत्र आपको ये सूचित करने हेतु लिखा है कि, हमारे विद्यालय में पानी की बहुत बड़ी समस्या उत्पन हो गयी है, और ये समस्या पहली बार नहीं, हर गर्मी के मौसम में उत्पन होती है, हमारे स्कूल में नल और सिर्फ चापाकल है, और विद्यार्थियों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है, जिसके वजह से गर्मी के मौसम में हमें पानी पीने के लिए लंबी लाइन में लगना पड़ता है, और आजकल हमारे स्कूल की पानी भी अच्छी नहीं रही है, कभी कभी पानी में से गंध आने लगती है। इसलिए में आपसे निवेदन करता हूँ की कृपया आप इस समस्या का निवारण करे।

आपका आज्ञाकारी छात्र,

आदित्य सिंह।

* गतिविधि–आरिफ़ और सलीम का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

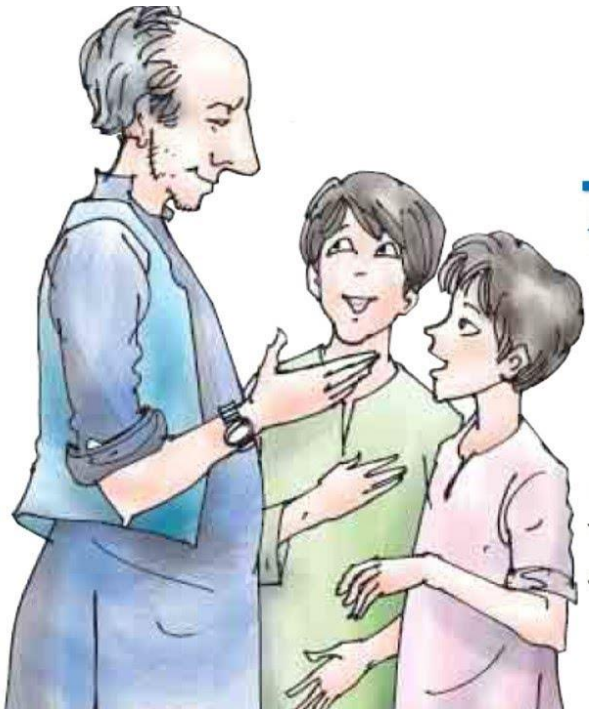

पाठ-११ चावल की रोटियाँ

लेखक- पी औंग खिन (अनुवाद : मस्तराम कपूर)

*** कठिन शब्द**

१ प्रबंधक
२ दस्तक देना
३ बदकिस्मती
४ नेको
५ एतराज़
६ तश्तरी

*** शब्दार्थ**

१ प्रबंधक- व्यवस्था करनेवाला
२ दस्तक देना-दरवाज़ा खटखटाना
३ भुक्खड़- भूखा
४ बदकिस्मती- बुरी किस्मत
५ इर्द-गिर्द-आसपास
६ नेकी-भलाई
७ एतराज़-आपत्ति, परेशानी

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको के माता-पिता किस काम से, कहाँ गए थे?

उ-कोको के माता-पिता धान लगाने खेत में गए थे।

२ कोको ने पहली बार रोटियाँ छिपाकर कहाँ रखी थीं?

उ-कोको ने पहली बार रोटियाँ रेड़ियों के पिछे छिपा के रखी थी।

३ मिमि को पापड़ खाते हुए कैसी आवाज़ सुनाई दी?

उ-मिमि को पापड़ खाते समय हल्की सी गुड़गुडाने की आवाज़ सुनाई दी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको ने नीनी के आने पर दरवाज़ा देर से क्यों खोला?

उ-नीनी के आने पर कोको ने देर से दरवाजा खोला क्योंकि उसे चावल की रोटियाँ छिपानी थी।

२ नीनी कोको के घर क्यों गया था?

उ-नीनी कोको के घर परीक्षा की खास खबर सुनने गया था।

३ कोको ने घर में चूहे के घुसने की बात किससे की और क्यों?

उ-कोको का पेट भूख से गुड़गुड़ा रहा था। उसने मिमि से झूठ कहा कि घर में चूहा आ गया है।वही ये आवाज खड़बड़-गड़गड़ कर रहा है।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

१ कोको ने रेडियो खराब होने और उसमें करंट आने की बात किससे कही और क्यों?

उ-कोको ने रेडियो खराब होने की बात नीनी से कही थीं क्योंकि रेड़ियो के पीछे कोको ने रोटियाँ छिपाई थी इसलिए कोको ने कहा रेड़ियो खराब है उसमें करंट आ रहा है।

२ कोको दवारा बार-बार रोटियाँ छिपाने का क्या कारण था?

उ-कोको को बहुत भूख लगी थी, उसकी मम्मी उसके लिए चावल की रोटियाँ बनाकर रख गई थी। बार-बार कोई न कोई उसके घर का दरवाज़ा खटखटाता था। कोको किसी के साथ मिल बाँटकर रोटियाँ खाना चाहता था, इस कारण उसे रोटियाँ छिपानी पड़ती थी।

३ कोको का फूलदान क्यों बदल गया? उससे उसे क्या नुकशान उठाना पड़ा?

उ-कोको की माँ ने दुकानदार से नीला फूलदान माँगा था, परंतु दुकानदार ने कुछ समय के लिए गुलाबी रंग का फूलदान दे दिया था। कोको ने जब रोटियाँ छिपाई थी तभी दुकान का मैनेजर आकर नीले फूलदान रख गया और गुलाबी फूलदान वापस लेगया, इस तरह रोटियाँ भी साथ चली गई।

व्याकरण-विभाग

*** क्रिया-**

ऐसे शब्द जो हमें किसी काम के करने या होने का बोध कराते हैं, वे शब्द क्रिया कहलाते हैं।

जैसेः पढ़ना, लिखना, खाना, पीना, खेलना, सोना आदि।

क्रिया के उदाहरणः

राकेश गाना गाता है।
मोहन पुस्तक पढता है।
मनोरमा नाचती है।

क्रिया के भेदः

अकर्मक क्रिया-जिस क्रिया का फल कर्ता पर ही पड़ता है वह क्रिया अकर्मक क्रिया कहलाती हैं। इस क्रिया में कर्म का अभाव होता है।

अकर्मक क्रिया के उदाहरण :

- राजेश दौड़ता है।
- सांप रेंगता है।
- पूजा हंसती है।

सकर्मक क्रिया– जिस क्रिया में कर्म का होना ज़रूरी होता है वह क्रिया सकर्मक क्रिया कहलाती है। इन क्रियाओं का असर कर्ता पर न पड़कर कर्म पर पड़ता है। सकर्मक अर्थात कर्म के साथ।

सकर्मक क्रिया के उदाहरण :
रमेश फल खाता है।
सुदर्शन गाडी चलाता है।
मैं बाइक चलाता हूँ।

लेखन–विभाग

* निबंध–प्रिय खेल

खेल कई प्रकार के होते हैं । कक्ष के भीतर खेले जाने वाले खैलों को इनडोर गेम्स कहा जाता है, जबकि मैदान पर खेले जाने वाले खेल आउटडोर गम्स कहलाते हैं । अलग–अलग प्रकार के खेल व्यायाम के महत्त्वपूर्ण अंग है । अतः अपनी रुचि एवं शारीरिक क्षमता के अनुकूल ही खेलों का चयन करना चाहिए । मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है । आधुनिक युग मैं इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है । भारत में यह खेल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है । इस खेल से लोगों को अद्‌भुत लगाव है । क्या बच्चे, क्या बूढ़े, क्या नवयुवक, सभी इसके दीवाने हैं ।

क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । इंग्लैण्ड से ही यह खेल रुलिया पहुँचा, फिर अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । यह खेल नियमानुसार सर्वप्रथम 1850 ई में गिलफोर्ड नामक विद्‌यालय में खेला गया था । क्रिकेट का पहला टैस्ट मैच 1877 ई में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न शहर में खेला गया था । भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैण्ड के विरुद्ध सन् 1932 में खेला था । आरंभ में क्रिकेट को राजा–महाराजाओं या धनाढ्य लोगों का खेल कहा जाता था । वे अपने मन–बहलाव के लिए यह खेल खेला करते थे । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया, परंतु हाँकी के साथ–साथ क्रिकेट भी लोकप्रिय होता चला गया ।

क्रिकेट का खेल यद्‌यपि लोकप्रिय है, तथापि इस खल में कुछ खामियाँ भी हैं । क्रिकेट मैचों के दौरान प्रायः सारे काम ठप्प पड़ जाते हैं । लोग काम करना छोड़ रनों और विकटों की चर्चा करने लगते हैं । कोइ रेडियो से कान चिपकाए है तो कोई टेलीविजन पर नजरें गड़ाए है । इससे राष्ट्रीय उत्पादन पर असर पड़ता है ।क्रिकेट का बुखार थमने का नाम नहीं ले रहा । यह खेल भारत की पहचान से जुड़ गया है । क्रिकेट लोगों का धर्म बन गया है । क्रिकेट में मिली हार से लोग मायूस हो जाते हैं । यह केवल मेरा ही नहीं, मेरी तरह करोड़ों भारतवासियों का सबसे पसंदीता खेल है ।

क्रिकेट ही नहीं बल्कि किसी भी प्रकार के खेल से स्वास्थ्य और उत्साह तो बढ़ता ही है, साथ ही स्वस्थ प्रतियोगिता की भावना का भी विकास होता है। क्रिकेट के खेल से इसके साथ–साथ आपसी एकता तथा भाईचारा का विकास भी होता है। विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के समय समूचा विश्व जैसे एक परिवार ही बन जाता है और यह क्रिकेट के खेल की एक बड़ी उपलब्धि है।

* गतिविधि- चावल की रोटियाँ का अथवा कोको का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

कविता-१२ गुरू और चेला

कवि-सोहन लाल दविवेदी

* कठिन शब्द

१ चेला
२ विवश
३ हाट
४ खता
५ करतब
६ कज़ा
७ भिश्ती
८ गफ़लत
९ हिकमत
१० जल्लाद

* शब्दार्थ

१ चेला-शिष्य
२ धेला-पैसा
३ डगरी-राह,रास्ता
४ गगरी-घड़ा
५ सुयश-प्रसिद्धि
६ विवश-मजबूर
७ हाट-बाजार
८ खता-गलती
९ कज़ा-मृत्यु
१० भिश्ती-पानी ढ़ोने वाला
११ गफ़लत-भूल
१२ हिकमत-चतुराई
१३ जल्लाद-फाँसी चढ़ानेवाला
१४ दनादन-जल्दी-जल्दी
१५ बिरानी-परायी

* अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

१ चेले ने किसकी कौन-सी बात नहीं मानी?

उ-चेले ने गुरु की बात नहीं मानी कि इस अंधेर नगरी में एक पल भी नहीं रहना चाहिए।

२ राजा ने संतरी को बुलाकर क्या पूछा?

उ-राजा ने संतरी को बुलाकर पूछा कि,"यह दीवार कैसे गिरी,इस दीवार को किसने बनाया।"

३ दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले किसे,क्या सज़ा सुनाई गई?

उ-दीवार गिरने के अपराध में सबसे पहले कारीगर को सज़ा सुनाई गई।

४ मशक वाले ने किसे दोष दिया?

उ-मशक वाले ने मंत्री को दोषी ठहराया।

* लघु उत्तरीय प्रश्न

१ अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरु ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उ-अंधेर नगरी से परिचित होने के बाद गुरुजी ने कहा यहाँ रहना खतरे से खाली नहीं है,जहाँ सभी चीज टके सेर बिकती हो।

२ अंधेर नगरी में स्थित हाट की क्या विशेषता थी?

उ-अंधेर नगरी में स्थित हाट में सभी वस्तु टके सेर बिकती थी। मिठाई हो,भाजी हो,जीरा हो,ककडी हो,सभी किंमती मामूली वस्तु का एक ही मूल्य टके से।

३ भिश्ती को फाँसी क्यों दी जा रही थी?

उ-भिश्ती ने दीवार बनाने का गारा ज्यादा गीला कर दिया था।जिससे दीवार कमजोर

रही और गिर गई। इसी दोष के लिए भिश्ती को फाँसी दी जा रही थी।

४ मंत्री की जान कैसे बची?

उ-मंत्री बहुत पतला-दुबला था। फाँसी का फंदा बड़ा बना जो मंत्री की गर्दन में नहीं बैठ रहा था। इस तरह मंत्री की जान बची।

व्याकरण-विभाग

* **काल-** क्रिया के होने या करने के समय को काल कहते हैं।

काल के भेद-

वर्तमान काल
भूतकाल
भविष्य काल

1- भूतकाल -

क्रिया के जिस रूप से बीते हुए समय अतीत में कार्य होने का बोध हो वह भूतकाल कहलाता है ।

जैसे-

- बच्चा गया ।
- बच्चा गया है ।
- बच्चा जा चुका था ।

2- वर्तमान काल-

इसमें क्रिया का आरंभ हो चुका होता है लेकिन समाप्ति नहीं होती । दूसरे शब्दों में क्रिया के जिस रूप से कार्य का वर्तमान काल में होना पाया जाए उसे वर्तमान काल कहते हैं ।

जैसे- भक्त माला फेरता है ।
राम खाना खाता है ।

3- भविष्यत काल-

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि कार्य भविष्य में होगा वह भविष्यत काल कहलाता है।

जैसे- सुनील स्कूल जाएगा ।

- मैं कल विद्यालय जाउँगा।
- खाना कुछ देर में बन जायेगा।

लेखन-विभाग

*** कहानी-लेखन- लालच बुरी बला है**

एक समय की बात है एक गांव में एक बहुत ही गरीब किसान रहा करता था एक दिन इस किसान को एक मुर्गी मिलती है जो बहुत ही ज्यादा अद्भुत होती है। जब किसान को मुर्गी मिलती है तो वह उस मुर्गी को अपने घर में पाल लेता है अगले दिन वह देखता है कि मुर्गी ने एक सोने का अंडा दिया है यह देख कर किसान की आंखें चकाचौंध रह जाती है और वह समझ जाता है कि यह मुर्गी एक सोने की अंडा देने वाली मुर्गी है।

तो वह इस मुर्गी को बहुत ही अच्छे से पालता है खिलाता है और हर रोज एक सोने का अंडा लेकर उसे बाजार में बेचने जाता है इस तरह से वह बहुत ही ज्यादा अमीर हो जाता है और गांव में सबसे ज्यादा अमीर इंसान बन जाता है जिसके पास बहुत ही ज्यादा धन होता है। हर जगह पर लोग सिर्फ इस किसान की बात किया करते थे और अब इसके घर में अपने नौकर थे और अब इसे कभी भी किसी के सामने हाथ फैलाने की जरूरत नहीं पड़ती थी किसान को कहीं ना कहीं अपने धन ने पर बहुत ही ज्यादा गुरूर होने लगा था ।

एक दिन किसान सोचता है क्यों ना मैं एक बार सारे अंडे निकालकर सबसे अमीर इंसान बन जाऊं और वह अपनी पत्नी के साथ मिलकर सोने के अंडे देने वाली मुर्गी के पेट को फाड़ देता है और हर रोज की तरह मुर्गी के पेट में एक सोने का अंडा होता है । अब किसान को बहुत ही ज्यादा अफसोस होता है कि उसे तो सिर्फ एक ही अंडा मिला और मुर्गी भी मर गई|

इस तरह में इस कहानी से सीख मिलती है कि लालच बहुत ही ज्यादा बुरी बला है।

गतिविधि- गुरु और चेले का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-१३ स्वामी की दादी

लेखक-आर के नारायण

*** कठिन शब्द**

१ मजिस्ट्रेट
२ रेशे
३ खूँखार
४ बेवकूफ
५ अधीक्षक
६ ऊलजलूल
७ दफ्तर

*** शब्दार्थ**

१ रेशे- पतले धागे
२ वर्दी- एक सी युनिफार्मि
३ दफ्तर- कार्यालय
४ खूँखार- डरावना, खतरनाक
५ बेवकूफ- मूर्ख
६ ऊलजलूल- बेकार की
७ मजिस्ट्रेट- दंडाधिकारी

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

१ स्वामीनाथन के दादा जी किस पद पर थे?

उ-स्वामीनाथन के दादा जी सब-मजिस्ट्रेट थे।

२ राजम को गणित में कितने नंबर मिलते थे?

उ-राजम को गणित में सौ में से नब्बे नंबर मिलते थे।

३ दादी ने जो मैडल बुआ को दिया, उसका उन्होंने क्या किया?

उ-दादी ने जो मैडल बुआ को दिया, उसको गलवाकर बुआ ने चार चुड़ियाँ बनवा ली थी।

*** लघु प्रश्नोत्तर**

१-राजम की किससे दुश्मनी और फिर दोस्ती हुई थी? यह बात किसे, कौन बता रहा-था?

उ-राजम की मणि से पहले दुश्मनी थी फिर दोस्ती हुई यह बात स्वामीनाथन अपनी दादी को बता रहा है।

२- स्वामीनाथन किसके पास, कौन-सी वर्दी होने की बात कर रहा था? वह वर्दी उसके पास कहाँ से आई?

उ-स्वामीनाथन दादी को बता रहा था कि राजम के पिताजी पुलिस अधिक्षक थे, इसलिए राजम के पास पुलिस की वर्दी है।

३-दादी किसे महामूर्ख मानती थीं और क्यों?

उ-दादी अपनी बेटी यानी स्वामीनाथन की बुआ को महामूर्ख मानती थी क्योंकि दादी ने जो मैडल बुआ को एक याद के लिए दिया था और बुआ ने उस मैडल को गलवाकर चार चुड़ियाँ बनवा ली थी।

*** दीर्घ प्रश्नोत्तर**

१-अपने विदयार्थी जीवन के बारे में स्वामीनाथन को किससे क्या जानकारी प्राप्त हुई?

उ-स्वामीनाथन को दादी ने दादाजी के बारे में बताया कि वह पढ़ाई में बहुत तेज थे। उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैडल भी मिला था।

२- राजम की वीरता की कहानी को अपने शब्दों में लिखिए।

उ- राजम एक छोटा, बहादुर और होशियार लड़का था। एक बार वह पिता के साथ जंगल

में गया जहाँ दो शेरों से सामना हुआ। एक शेर ने पिता को गिरा दिया, दूसरे शेर ने राजम को पीछे धकेला, जिससे वह झाड़ियों के पीछे जा गिरा, वहाँ से उसने शेर पर गोली चला दी। इसतरह राजम ने एक शेर को मारा था।

3- दादी ने स्वामीनाथन को उसके दादा के उत्तर लिखने के संदर्भ में क्या बताया?

उ- दादी ने स्वामीनाथन को दादा के उत्तर लिखने के बारे में बताया कि उन्हें उत्तर देने में बहुत कम समय लगता था। उनके उत्तर से परीक्षक भी चकित रह जाते थे और उन्हें दो सौ नंबर दे देते थे। एम ए में उन्हें मैड़ल भी मिला था।

4-स्वामीनाथन के मन में दूसरे ही क्षण संदेह पैदा क्यों हुआ?

उ- स्वामीनाथन जब दादी को राजम की कहानी सुना रहा था तब उसे दादी का उत्तर सही न होने पर चिढ़ हुई थी। लेकिन जब दादी ने राजम को अच्छा बच्चा बताया तब स्वामीनाथन के मन में दूसरे ही क्षण संदेह हुआ कि शायद दादी को शेर की कहानी पसंद नहीं आती या इस कहानी पर दादी को विश्वास नहीं हो रहा है।

व्याकरण-विभाग

* **वाक्य-** वक्ता के कथन को पूर्णतः व्यक्त करने वाले सार्थक शब्द समूह को वाक्य कहते हैं।

वाक्य के भेदः- अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेदः-

अर्थ की दृष्टि **आठ** प्रकार के होते हैं: -

(1) **विधानार्थक** :- जिसमें किसी बात के होने का बोध हो। जैसे मोहन घर गया।

(2) **निषेधात्मक** :- जिसमें किसी बात के न होने का बोध हो। जैसे सीता ने गीत नहीं गाया।

(3) **आज्ञावाचक** :- जिसमें आज्ञा दी गई हो। जैसे यहां बैठो।

(4) **प्रश्नवाचक** :- जिसमें कोई प्रश्न किया गया हो। जैसे तुम कहाँ रहते हो?

(5) **विस्मयवाचक** :- जिसमें किसी भाव का बोध हो। जैसे हाय, वह मर गया।

(6) **संदेहवाचक** :- जिसमें संदेह या संभावना व्यक्त की गई हो। जैसे वह आ गया होगा।

(7) **इच्छावाचक** :- जिसमें कोई इच्छा या कामना व्यक्त की जाए। जैसे ईश्वर तुम्हारा भला करे।

(8) **संकेतवाचक** :- जहाँ एक वाक्य दूसरे वाक्य के होने पर निर्भर हो। जैसे यदि गर्मी पड़ती तो पानी बरसता।

लेखन-विभाग

* निबंध- दशहरा

दशहरा विजयादशमी या आयुध-पूजा एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिन्दू त्यौहार है जो पूरे भारत के लोगों के द्वारा हर साल बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। ये पर्व अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। ये एक धार्मिक और पारंपरिक उत्सव है जिसे हर बच्चों को जानना चाहिये। ऐतिहासिक मान्यताओं और प्रसिद्ध हिन्दू धर्मग्रंथ रामायण के अनुसार ऐसा उल्लिखित है कि भगवान राम ने रावण को मारने के लिये देवी चंडी की पूजा की थी। लंका के दस सिर वाले राक्षस राजा रावण ने अपनी बहन शूर्पणखा की बेइज्जती का बदला लेने के लिये राम की पत्नी माता सीता का हरण कर लिया था। तब से जिस दिन से भगवान राम ने रावण को मारा उसी दिन से दशहरा का उत्सव मनाया जा रहा है।

ये पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत को भी प्रदर्शित करता है अर्थात् पाप पर पुण्य की जीत। लोग इसे कई सारे रीति-रिवाज और पूजा-पाठ के द्वारा मनाते है।देश के कई बरसों में दशहरा को मनाने का रीति-रिवाज और परंपरा अलग-अलग है। कई जगहों पर पूरा दस दिन के लिए मनाया जाता है, मंदिर के पुजारियों द्वारा मंत्र और रामायण की कहानियां भक्तों की बड़ी भीड़ के सामने सुनाई जाती है साथ ही कई जगहों पर रामलीला का आयोजन छ दिन या मौसम तक किया जाता है। सारे शहर में रामलीला का आयोजन होता है।

विजयदशमी मनाने के पीछे राम लीला का उत्सव पौराणिक कथाओं को इंगित करता है। ये सीता माता के अपहरण के पूरे इतिहास को बताता है, असुर राजा रावण, उसके पुत्र मेघनाथ और भाई कुम्भकर्ण की हार और अंत तथा राजा राम की जीत को दर्शाता है। वास्तविक लोग राम, लक्ष्मण और सीता तथा हनुमान का किरदार निभाते है वहीं रावण, मेघनाथ और कुम्भकर्ण का पुतला बनाया जाता है। अंत में बुराई पर अच्छाई की जीत को दिखाने के लिये रावण, मेघनाथ और कुम्भकर्ण के पुतले जला दिये जाते है और पटाखों के बीच इस उत्सव को और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

गतिविधि- दशहरा का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

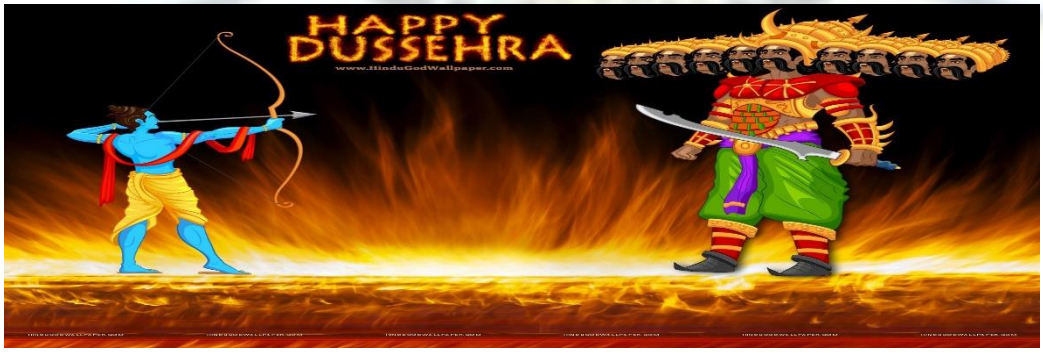

कविता- 14 बाघ आया उस रात

- नागार्जुन

*** कठिन शब्द**

1- झरने
2- दफ्तर
3- कलिज
4- आगाह

*** शब्दार्थ**

1- आँखे फैलाकर- रोचक या रुचिपूर्ण ढ़ंग से बाते करना
2- झरना- पहाड़ी इलाको में ऊपर से गिरता पानी
3- दफ्तर- ऑफ़िस, कार्यालय
4- आगाह- चेतावनी

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

1- " वो इधर से निकला उधर चला गया।" यह किसने कहा?
उ- यह वाक्य बेटू ने कहा।
2- दूसरे बालक के अनुसार बालक कहाँ कहाँ काम नहीं कर सकता था?
उ- दूसरे बालक के अनुसार बालक किसी दफ्तर या कलिज में काम नहीं करता।
3- फिर से आगाह किसने किया?
उ- फिर से आगाह बेटू ने किया।

*** लघु उत्तरीय प्रश्नो के उत्तर लिखिए।**

1- पहला बालक अपने बाबा को कब,कहाँ जाने से मना कर रहा था और क्यों?
उ- पहला बालक अपने बाबा को रात में बाहर जाने से मना कर रहा था क्योंकि बाघ न जाने कब फिर से वहाँ आ जाए।
2- जहाँ बाघ रहता है उस विषय में पहले बालक ने बाबा को से क्या कहा?
उ- पहले बालक ने बाबा को बताया कि एक रोज अपन उधर गए थे,झरने के पास वही तो बाघ अपने दो बच्चों के साथ और बाघिन के साथ रहता है। बाघ या तो सोता है या बच्चों के साथ खेलता है।

व्याकरण-विभाग

पर्यायवाची शब्द की परिभाषा-

'पर्याय' का अर्थ है- 'समान' तथा 'वाची' का अर्थ है- 'बोले जाने वाले' अर्थात जिन शब्दों का अर्थ एक जैसा होता है, उन्हें 'पर्यायवाची शब्द' कहते हैं।

1	आचार्य	शिक्षक, अध्यापक, प्राध्यापक, गुरु।
2	आरंभ	श्रीगणेश, शुभारंभ, प्रारंभ, शुरुआत

3	इंदु	चाँद, चंद्रमा, चंदा, शशि, मयंक, महताब।
4	ईर्ष्या	विद्वेष, जलन, कुढ़न, ढाह।
5	उपवन	बाग़, बगीचा, उद्यान, वाटिका, गुलशन।
6	उषा	सुबह, भोर, ब्रह्ममुहूर्त।
7	ऋषि	साधु, महात्मा, मुनि, योगी, तपस्वी।
8	एहसान	कृपा, अनुग्रह, उपकार।
9	ओंठ	ओष्ठ, अधर, लब, होठ।
10	ऐश्वर्य	समृद्धि, विभूति।
11	औरत	स्त्री, जोरू, महिला, नारी, वनिता, घरवाली।
12	औषधालय	चिकित्सालय, दवाखाना, अस्पताल।
13	कमल	अरविन्द, पुष्कर, पंकज, नीरज, सरोज, जलज,

लेखन-विभाग

आपके विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

सूचना

नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक :24/08/2017

इस विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय

करने के इच्छुक हों, वे 03 सितंबर 2017 को अंतिम दो कालांश (Period) में स्क्रीन टेस्ट हेतु क्रिया-कलाप कक्ष में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार
छात्र सचिव

गतिविधि- बाघ का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ- 15 बिशन की दिलेरी

- प्रतिभा नाथ

*** कठिन शब्द**

1- फार्म हाउस
2- छिड़काव
3- कीटनाशक
4- तड़के
5- पगडंडी
6- सहमकर
7- सीढ़ीनुमा
8- फ़सल
9- कँटीले
10- खरोंचो
11- बरामदा
12- ढ़लवाँ

*** शब्दार्थ**

1- कीटनाशक- कीड़ मारने की दवा
2- तड़के- सुबह-सवेरे
3- सीढ़ीनुमा- सीढ़ी जैसे खेत
4- कँटीले- काँटेवाली
5- बरामदा- घर के बाहर का हिस्सा
6- ढ़ँलवा- ढ़लानवाला

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

1- गेहुँ के खेतों में तीतरों का जमावडा कब लगता है?

उ- जब फ़सल पक जाती है, तब तीतरो का जमावडा लगता है।

2- तीतर कहाँ फँसा छटपटा रहा था?

उ-तीतर गेहुँ की बालियों के बीच फँसा छटपटा रहा था।

3- तीतर को बचाकर भागने के क्रम में कमीज़ फटने पर भी बिशन को किस बात का संतोष था?

उ- तीतर को बचाकर भागने के क्रम में कमीज फटने पर भी बिशन को इस बात का संतोष था कि उसने तीतर को बचा लिया।

4- शिकारियों को कर्नल साहब से क्या उम्मीद न थी?

उ- शिकारियों को उम्मीद न थी कि तीतरों के शिकार पर कर्नल साहब उन्हें डाँट देंगे।

5- कर्नल साहब को घायल तीतर के उड़ने पर संदेह क्यों था?

उ- कर्नल साहब को घायल तीतर के उड़ने पर संदेह था क्योंकि वह जानते थे कि टूटे पाँव से तीतर उड़ नहीं सकेगा।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

1- बिशन रोज़ सवेरे कहाँ और किस उददेश्य से जाता था?

उ- बिशन रोज़ कर्नल साहब के फारम हाउस जाता था। उसकी पत्नी उसकी पढ़ाई में मदद करती थी।

2- बिशन को छिपने के लिए चिमनी के पीछे की जगह सुरक्षित क्यों लगी?

उ- चिमनी के पीछे छिपने से बिशन सब को देख सकता था। परन्तु उसे कोई नहीं देख सकता था इसलिए वह जगह सुरक्षित लगी।

3- कर्नल साहब और उनकी पत्नी ने तीतर को किस प्रकार मदद पहुँचाई?

उ- कर्नल साहब ने तीतर की मरहम पटटी करके और उनकी पत्नी ने दलिया खीला कर तीतर की मदद की।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1- बिशन को पिछले वर्ष की कौन-सी घटना याद आई?

उ- बिशन को याद आई पिछले वर्ष किस तरह शिकारियों ने ढ़ेरो तीतर मारे थे और ज्यादा घायल खेतों में छोड़ गए थे।

2- बिशनने शिकारियों के विषय मे क्या सोचा?

उ- बिशनने शिकारियों के विषय में सोचा कि बहुत दुःख पहुँचाने वाला काम करते हैं। इन्हें सबक सिखाना चाहिए।

व्याकरण-विभाग

उपसर्ग की परिभाषा

उपसर्ग उस शब्दांश या अव्यय को कहते है, जो किसी शब्द के पहले आकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करता है।

दूसरे शब्दों में- ''उपसर्ग वह शब्दांश या अव्यय है, जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में मूल शब्द के अर्थ में विशेषता ला दे या उसका अर्थ ही बदल दे।'' वे उपसर्ग कहलाते है।

अन	-	अनमोल, अलग, अनजान, अनकहा, अनदेखा इत्यादि।
अध्	-	अधजला, अधखिला, अधपका, अधकचरा, अधकच्चा, अधमरा इत्यादि।
उन	-	उनतीस, उनचास, उनसठ, इत्यादि।
भर	-	भरपेट, भरपूर, भरदिन इत्यादि।
दु	-	दुबला, दुर्जन, दुर्बल, दुकाल इत्यादि।
नि	-	निगोड़ा, निडर, निकम्मा इत्यादि।

लेखन-विभाग

दीवाली पर अनुच्छेद

दीवाली भारत का सबसे महत्त्वपूर्ण त्यौहार माना जाता है । दीवाली शब्द दीपावली का अपभ्रश है, जिसका अर्थ दीपों की पंक्ति होता है । यह त्यौहार कार्तिक मारन के मध्य में अर्थात् कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है । इसी समय जाड़े का प्रारम्भ होने लगता है । हिन्दुओं का मत है कि इस दिन रावण पर विजय प्राप्त करके श्रीरामचन्द्र जी अयोध्या पहुंचे थे । अयोध्यावासियो ने अपने घरों को खूब सजाया और दीपो की पंक्ति से जगमगा कर श्रीरामचन्द्र जी का बड़े आदर और सम्मान से स्वागत किया । इसी याद में हर वर्ष लोग दीवाली का त्यौहार हर्षोल्लास से

मनाते हैं । दीवाली की रात लोग अपने-अपने घरों और दुकानो को खूब रोशन करते हैं । साधारण लोग मिट्टी के दीपकों और मोमबत्तियों से तथा बड़े और समृद्ध लोग बिजली के रंगीन बच्चों की झालर से रोशनी करते हैं । तरह-तरह के पटाखे और आतिशबाजी पर बड़ी धनराशि व्यय की जाती है । शाम से ही हर तरफ से पटाखों का शोर सुनाई पड़ने लगता है । सभी लोग नए और अच्छे-अच्छे वस्त्र और परिधान पहने बडी प्रसन्न मुद्रा में दिखाई देते हैं । रात्रि के समय घरों और दुकानो में धन की देवी लक्ष्मी जी का पूजन बड़ी श्रद्धा से किया जाता है । खील-बताशों का इस दिन विशेष महत्त्व होता है । तरह-तरह के पकवान और मिठाइयों का भोग लगाया जाता है और लक्ष्मी जी की आरती उतारी जाती है ।पूजन के बाद घर के लोग प्रसाद के रूप में खील-बताशे तथा मिठाइयाँ खाते हैं । अपने-अपने रिश्तेदारों और मित्रों के घर मिठाई और खील-बताशे भेजे जाते है । दीवाली बड़ा उपयोगी त्यौहार है । दीपावली जैसे त्यौहारों के अवसर पर ही राष्ट्र की सामाजिक और धार्मिक भावना व्यक्त होती हैं ।

गतिविधि- बिशन और तीतर का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

पाठ-16 पानी रे पानी

- अनुपम मिश्रा

*** कठिन शब्द**

1- भूगोल
2- जल-चक्र
3- दफ्तरो
4- कारखानों
5- बेवक्त
6- तू-तू-मैं-मैं
7- झगडे-टंटो
8- भयानक
9- भंडार
10- समृद्ध
11- जलस्त्रोतों

*** शब्दार्थ**

1- जल-चक्र- पानी बरसने का क्रम
2- बेवक्त- असमय
3- तू-तू-मैं-मैं- झगडा करना
4- हालात- परिस्थिति
5- जल-स्त्रोतो- पानी का जरिया या पानी के साधन
6- समस्याओं- कढ़िनाई
7- भंडार- कोष, खज़ाना

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

1- नलों से सूँ-सूँ की आवाज़ कब आती है?

उ- जब पूरे समय नलो में पानी नहीं आता तब नल खोलने पर सूँ-सूँ की आवाज़ आती है।

2- जल-संकट से निपटने के लिए हमें किन दो चीज़ो को ठीक से समझने और सँभालने की आवश्यकता है?

उ-जल-संकट से निपटने के लिए हमें जल-चक्र को ठीक से समझना होगा। नदी, तालाबो की रखवाली करनी होगी।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

1- नलों के पाइप में मोटर लगाकर आजकल पड़ोसियों का हक किस प्रकार छीना जा रहा है? आगे चलकर इससे कौन-सी भीषण समस्या उत्पन्न होती है?

उ- नलो के पाइप में मोटर लगाकर पानी खींचने से पानी एक और खिच जाता है फिर पानी की बड़ी समस्या उत्पन्न होती है और पैसो से पानी बीकना शुरु हो जाता है।

2- हमें प्रकृति से पानी का खजाना कैसे प्राप्त होता है?

उ- यदि हम वनों की रक्षा करें, शहरों में वृक्षों का ज्यादा रोपण करे, प्रदूषण फैलानेवाले पदार्थो का उपयोग कम करे, नदियों के किनारे भवन, फैक्ट्री निर्माण न करवाए तो हम प्रकृति से कुँए, तालाबों, नदियों से वर्षा से पर्याप्त जल ले पाएँगें।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1- पुस्तकों में जल-चक्र को किस प्रकार दर्शाया जाता है?

उ- पुस्तकों में जल-चक्र को बहुत ही सुंदर चित्र दवारा दर्शाया जाता है जिसमें

सूरज, समुद्र, भाप, बादल, धरती पर पडती बरसात की बूँदे फिर नदियों में पानी का स्तर, बहाव और उसी सुंदर बहती नदी किनारे हमारा गाँव और शहर हरे-भरे खेत। इस तरह सुंदर जल-चक्र दर्शाया जाता है।

2- नलों में पानी को लेकर कौन-कौन सी समस्याएँ उत्पन्न होती है? उनका हम पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उ- जब पानी की कमी पड़ती है तब पूरे समय नलों में पानी नहीं आता है। पानी आता भी है तो बेवक्त आता है। कभी आधी रात को, कभी सुबह सवेरे। पानी को लेकर कभी-कभी आपस में लडाई झगड़े भी हो जाता है।कई लोग पाइप में मोटर लगाकर पानी खींच लेते है। जिससे पानी की परेशानी- बढ़ जाती है। मजबूरी में कई बार लोग पानी खरीदकर कर लाते है और - उपयोग में लेते है।

3- अकाल और बाढ़ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कैसे?

उ- बिगडते हुए मौसम चक्र व कम वर्षा के कारण अकाल जैसी स्थिति पैदा - हो जाती है और जब वर्षा कम होने लगती है तब साफ़ पानी भी बह जाता है। उनका संग्रह हो पाना मुश्किल हो जाता है। कही-कही इतनी वर्षा हो - जाती है कि बाढ़ में अच्छे-अच्छे शहर डुब जाते है। इसतरह पानी का कम होना या ज्यादा होना एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

व्याकरण-विभाग

प्रत्यय की परिभाषा

जो शब्दांश, शब्दों के अंत में जुड़कर अर्थ में परिवर्तन लाये, प्रत्यय कहलाते है।

दूसरे अर्थ में- शब्द निर्माण के लिए शब्दों के अंत में जो शब्दांश जोड़े जाते हैं, वे प्रत्यय कहलाते हैं। प्रत्यय दो शब्दों से बना है- प्रति+अय। 'प्रति' का अर्थ 'साथ में, 'पर बाद में' है और 'अय' का अर्थ 'चलनेवाला' है। अतएव, 'प्रत्यय' का अर्थ है 'शब्दों के साथ, पर बाद में चलनेवाला या लगनेवाला। प्रत्यय उपसर्गों की तरह अविकारी शब्दांश है, जो शब्दों के बाद जोड़े जाते है।

प्रत्यय	धातु	कृदंत-रूप
आऊ	टिक	टिकाऊ
आक	तैर	तैराक
आका	लड़	लड़का
आड़ी	खेल	खिलाड़ी
आलू	झगड़	झगड़ालू
इया	बढ़	बढ़िया
इयल	अड़	अड़ियल

प्रत्यय	धातु	कृदंत-रूप
इयल	मर	मरियल
ऐत	लड़	लड़ैत
ऐया	बच	बचैया
ओड़	हँस	हँसोड़
ओड़ा	भाग	भगोड़ा

लेखन-विभाग

निबंध- क्रिसमस

"क्रिसमस" ईसाईयों का प्रसिद्ध त्योहार है। य 25 दिसंबर को प्रतिवर्ष संपूर्ण विश्व में धूमधाम से मनाया जाता है ।और बच्चे तो क्रिसमस का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वह मानते हैं सांता आएगा और उन लोगों के लिए ढेर सारा गिफ्ट लाएगा। क्रिसमस का त्योहार ईसाई मसीह के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को बड़ दिन भी कहा जाता है क्रिसमस एक बड़ा त्योहार है जिसे लोगों द्वारा ठंड के मौसम में मनाया जाता है। इस दिन पर सभी सांस्कृतिक अवकाश का लुप्त उठाते हैं तथा इस अवसर पर सभी सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थानों को बंद रखा जाता है।

इस उत्सव को लोग बहुत उत्साह और ढेर सारी तैयारियों तथा सजावट के साथ मनाते हैं। नए नए कपड़े खरीदे जाते हैं। ईसाई लोग क्रिसमस के दिन विभिन्न प्रकार के व्यंजन भी बनाते हैं। इसके अलावा भी बाजारो की रौनक भी बढ़ जाती है। घर और बाजार रंगीन रोशनीओं से जगमग उठते हैं।

क्रिसमस के दिन गिरजा घरों में विशेष प्रार्थना **है** की जाती है एवं जगह-जगह प्रभु ईसा मसीहा की झांकियां प्रस्तुत की जाती है। उस दिन घर के आंगन में क्रिसमस ट्री भी लगाया जाता है। क्रिसमस के त्योहार में केक का विशेष महत्व होता है। इस दिन लोग एक दूसरे को केक खिलाकर त्यौहार की बधाई देते हैं। और तो और सांता क्लॉस का रूप धरकर व्यक्ति बच्चों को टॉफिया, विभिन्न प्रकार के उपहार आदि भी बांटता है।

क्रिसमस वह त्योहार है जो लोगों में प्यार मोहब्बत और भाईचारा बढ़ाता है। यही कारण है कि लोग क्रिसमस के त्योहार के एक दिन पहले ही 24 दिसंबर के शाम से ही एक दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं देना शुरू कर देते हैं। यह वह समय होता है जब लोग अपने दोस्तों और परिवारों से मिलते हैं। तथा अपने आपसी प्यार मोहब्बत और एकता को बढ़ाते हैं। क्रिसमस का यह त्यौहार हमें ईशा मसीहा द्वारा दिखाए गए क्षमा,

भाईचारा और त्याग जैसी बातों का बोध कराता है , जिन्हें हम अपने जीवन में अपनाकर मानवता को तरक्की के पथ पर अग्रषित कर सकते हैं।

गतिविधि- कुदरती दृश्य का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।

कविता- 17 छोटी-सी हमारी नदी
- रवीन्द्रनाथ ठाकुर

*** कठिन शब्द**

1- ढ़ोर-डंगर
2- बैलगाड़ी
3- झकाझक
4- बालू
5- उजले
6- अमराई
7- ताड़-वन
8- माँझती
9- धार-कछारो
10- साँझ-सवेरे

*** शब्दार्थ**

1- अमराई- आम का बाग
2- कछार- घाटी
3- भँवरा- तेज लहरों का गोला
4- सघन- घना
5- टोला- बस्ती
6- काँस- झाँडी
7- पाट- विस्तार
8- गमछा- छोटा तौलिया
9- लोटा- छोटा कलश

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

1- गर्मियों में नदी में कितना पानी रहता है?
उ- गर्मियों में नदी में घुटनो तक का पानी रहता है।
2- नदी के दूसरे किनारे पर स्थित बस्ती किनकी है और वह किस प्रकार बसाई गई हैं?
उ- नदी के दूसरे किनारे पर ताड़-वन है वहाँ ब्राहमणों दवारा बस्ती बसाई गई हैं।
3- बच्चे मछलियाँ कैसे पकडते है?
उ- बच्चे अपने गमछो का आँचल बिछाकर मछलियाँ पकडते हैं।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

1- कविता में नदी के जल के स्वच्छ होने का वर्णन किस प्रकार किया गया है?
उ- कविता में नदी के जल को इतना स्वच्छ व साफ़ बताया है जैसे आरपार दिखाई दे जैसे काँसे का बर्तन चमक रहा हो।
2- मैना नदी तट का सौदर्य किस प्रकार बढ़ा रही है?
उ- मैना नदी तट पर दिन भर किचपिच करती है और वहाँ के वातावरण को और सुंदर बना देती है।
3- नदी के दोनों किनारों के आस-पास के प्राकृतिक दृश्य कैसे हैं?
उ- नदी के एक किनारे पर घनी अमराई है और दूसरी और ताड़वन है जहाँ पक्षी किरकिच कर दृश्य और भी सुंदर बना देते हैं। बच्चों को नहाते हुए, मछलियाँ पकडते हुए शोर व बहुओं का कपड़े धोना, बर्तन और पानी भरना दृश्य को सुंदर बना देते हैं।
4- बच्चे नदी में स्नान करने का आनंद किस प्रकार उठा रहे हैं?
उ- छोटे बच्चे नदी में उछल-उछल कर नहा रहे हैं और गमछा भिगा कर अपना

शरीर भिगा रहे हैं।

5- टोले की बहुएँ नदी से किस प्रकार जुड़ी हुई हैं?

उ- टोले की बहुएँ लोटे-थाल माँज रही है, कपड़े धो रही है, जल्दी-जल्दी काम करके अपने घर की और जा रही है।

व्याकरण-विभाग

अनेक शब्दों के एक शब्द :

हिंदी शब्दों में अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कर सकते हैं। अथार्त हिंदी भाषा में कई शब्दों की जगह पर एक शब्द बोलकर भाषा को प्रभावशाली बनाया जा सकता है। हिंदी भाषा में अनेक शब्दों में एक शब्द का प्रयोग करने से वाक्य के भाव को पता लगाया जा सकता है।

इतिहास से संबंध रखने वाला - ऐतिहासिक
एक सप्ताह में होने वाला- साप्ताहिक
ऋषियों के रहने का स्थान - आश्रम
कठिनता से प्राप्त होने वाला - दुर्लभ
किसी से भी न डरना वाला - निडर
किसी प्राणी को न मारना - अहिंसा
जिस स्त्री का पति जीवित हो - सधवा
जिसकी कोई सीमा न हो - असीम
जहाँ लोगों का मिलन हो - सम्मेलन
जिसके आने की तिथि न हो -अतिथि

लेखन-विभाग

अपनी बहन को पत्र लिखकर योगासन करने के लिए प्रेरित कीजिए।

परीक्षा भवन,
अ ब स
दिनांक- 27 अप्रैल, 2020

प्रिय बहन,
सदा खुश रहो।

मैं यहाँ कुशल हूँ, आशा है वहाँ पर भी सभी कुशल होंगें। अभी-अभी मुझे पिता जी का पत्र प्राप्त हुआ और उनसे घर के सभी समाचार ज्ञात हुए। साथ ही साथ यह भी पता चला कि तुम्हारा स्वास्थ्य कुछ ठीक नहीं है। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखा करो। तुम्हें तो पता ही है कि पहला सुख स्वस्थ शरीर को कहा जाता है। इसके लिए

आवश्यक है कि तुम हमेशा योगासन किया करो। भाग-दौड़ भरी जिंदगी में व्यस्त रहने के कारण कोई भी स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं देता। योग एक ऐसा माध्यम है जो शरीर को स्वस्थ रखने में महत्पूर्ण भूमिका निभाता है। इसलिए मैं तुम्हें यही सलाह दूँगी कि तुम नियमित रूप से योगा किया करो जिससे तुम्हारा शरीर चुस्त और फुर्तीला हो जाएगा और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी।

आशा करती हूँ कि तुम मेरी इस सलाह को मानोगी तथा अपने जीवन में योग को महत्त्व दोगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि तुम जल्द ही स्वस्थ हो जाओगी। माता-पिता को प्रणाम और भाई को मेरा प्यार देना।

तुम्हारी बहन

आशा

गतिविधि- छोटी-सी हमारी नदी कविता चार्ट पेपर पर लिखिए।

पाठ- 18 चुनौती हिमालय की

- सुरेखा पणंदीकर

*** कठिन शब्द**

1- तड़के
2- लालिमा
3- निराला
4- उजाड़
5- स्पर्श
6- ग्लेशियर
7- दुर्गम
8- गडेरिया
9- वीरान
10- पथरीली
11- उपचार
12- मुकुट

*** शब्दार्थ**

1- तडके- सुबह सवेरे
2- लालिमा- हल्का लाल उजाला जब सूर्य निकलता है
3- निराला- अनोखा
4- स्पर्श- छूना
5- दुर्गम- कठिन
6- वीरान- सूनसान
7- पथरीली- पत्थरों से भरी
8- उपचार- इलाज
9- ग्लेशियर- बर्फ जहाँ से पिघलकर नदी बनती है
10- सपाट- सीधा

*** अतिलघु उत्तरीय प्रश्न**

1- अपना कौन-सा काम, किसे सौंपकर किशन, नेहरु जी के साथ चल पड़ा- था?

उ- अपना भैड़-बकरी चराने का काम बिशन अपनी बेटी को सौंपकर नेहरूजी के साथ चल पड़ा।

2- पाठ में बर्फ़ीले मैदान की तुलना किससे की गई है?

उ- पाठ में बर्फ़ीले मैदान की तुलना देवताओं के मुकुट से की गई हैं।

3- नेहरूजी को खाई से निकलने में किस-किसने मदद की?

उ- नेहरूजी को खाई से निकलने में उनके भाई, एक कुली, और बिशनने मदद की।

4- नेहरूजी सदा किससे आकर्षित होते रहे?

उ- नेहरूजी सदा हिमालय की ऊचाईयों से आकर्षित होते रहे।

*** लघु उत्तरीय प्रश्न**

1- जवाहरलाल नेहरु ने किसकी कौन-सी चुनौती स्वीकार की थी?

उ- जवाहरलाल नेहरु ने हिमालय की ऊचाईयों की व दुर्गम रास्तों की चुनौती ळ स्वीकार की।

2- तिब्बत की बर्फ़ीली हवा असहय होने के साथ-साथ सुखदायी एवं लाभकारी भी थी। कैसे?

उ- तिब्बती पठार का दृश्य निराला तो दिख रहा था, दूर-दूर तक वनस्पति-रहित उजाड़ चटटानी इलाको में एकदम उदास वीरान, बर्फ से ढ़की हुई लेकिन ळ

सुबह की सुनहरी किरणों का स्पर्श, सफेद बर्फ ऐसे चमकती मानो ताज हो ळ ऐसा दृश्य मन को सुकून व शांति देता है।

3- नेहरूजी के खाई में गिरने पर रस्सी ही एकमात्र उनका सहारा थी।कैसे?

उ- नेहरूजी चढ़ाई चढ़ रहे थे तब रस्सी से बँधे थे। पहाड़ो पर रस्सी के सहारे- एक दूसरे को बाँधकर चढ़ते है, जब नेहरूजी खाई में गिरे तो फ़िसलन के ळ कारण ऊपर आ पाना कठिन था। तब बस एक मात्र सहारा रस्सी ही होती है जिसे ऊपर वाले लोग खींचते है और गिरा हुआ व्यक्ति ऊपर आ पाता है।

*** दीर्घ उत्तरीय प्रश्न**

1- अमरनाथ जाने की जवाहरलाल नेहरूजी की उत्सुकता किसने , किस प्रकार बढ़ा दी?

उ- अमरनाथ जाने की उत्सुकता जवाहरलाल नेहरुके मन में उनके भाई, कुली, और बिशनने बढ़ा दी। वे बताते रहे अमरनाथ की ऊँचाई, रास्तों की ळ कठिनाइयों, दुर्गम-वीरान पत्थरीलें रास्तों का रोमांच और बर्फीले तूफानों का सामना करने की बात सुन कर नेहरूजी अमरनाथ जाने के लिए बहुत उत्सुक हुए।

व्याकरण-विभाग

विलोम/विपरीतार्थक शब्द

एक़-दूसरे के विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्द विलोम कहलाते है।

अमृत	विष	अथ	इति
अन्धकार	प्रकाश	अल्पायु	दीर्घायु
अनुराग	विराग	आदि	अंत
आगामी	गत	आग्रह	दुराग्रह
अनुज	अग्रज	आकर्षण	विकर्षण
अधिक	न्यून	आदान	प्रदान
आलस्य	स्फूर्ति	अर्थ	अनर्थ

लेखन–विभाग
कहानी

बिना विचारे जो करे, सो पाछे पछताए

किसी नगर में देवशर्मा नाम का एक ब्राह्मण रहा करता था उसके पर के एक कोने में बिल बनाकर एक नेवली भी रहती थी। जिस दिन देवशर्मा की पली ने अपने पुत्र को जन्म दिया, उसी दिन मेवली को भी एक बच्चा पैदा हुआ। किन्तु बच्चे को जन्म देने के बाद नेवली आपिक देर तक जीवित न रह सकी। उसका देहांत हो गया। पाहाणी को उस नवजात शिशु पर बहुत दया आई। उसने अपने पुत्र की तरह उस दिवाली के पुत्र का भी लालन- पालन आरम् कर दिया।धीरे-धीरे नेवला बड़ा हो गया। अब वह प्रायः ब्राह्मणी के पुत्र के साथ ही रहने लगा था। दोनों में खूब मित्रता हो गई थी। लेकिन अपने पुत्र और नेवले में इतना प्यार होने पर भी ब्राह्मणी हमेशा उसके प्रति शंकित ही रहती थी।

एक दिन की बात है कि ब्राह्मणी अपने पुत्र को सुलाकर हाथ में घड़ा लेकर अपने पति से बोली-'मैं सरोवर पर जल लेने जा रही हूं, जब तक मैं न लौटूं तब तक आप यहीं रुकना और बच्चे की देखभाल करते रहना।'ब्राह्मणी जब चली गई तो उसी समय किसी यजमान ने आकर ब्राह्मण को खाने का निमंत्रण दिया। उस नेवले पर ही अपने पुत्र की रक्षा का भार सौंपकर ब्राह्मण अपने यजमान के साथ चला गया। संयोग की बात है कि उसी समय न जाने कहां से एक काला नाग वहां आ पहुंचा और वह बच्चे के पलंग की ओर बढ़ने लगा। नेवले ने उसे देख लिया।

उसे डर था कि यह नाग उसके मित्र को न डस ले, इसलिए वह उस काले नाग पर टूट पड़ा। नाग बहुत फुर्तीला था, उसने कई जगह नेवले के शरीर को काटकर उसमें जख्म बना दिए किन्तु अंत में नेवले ने उसे मारकर उसके शरीर को खंड-खंड कर दिया। नाग को मारने के बाद नेवला उसी दिशा में चल पड़ा, जिधर ब्राह्मणी जल भरने के लिए गई हुई थी।

उसने सोचा वह उसकी वीरता की प्रशंसा करेगी किन्तु हुआ उसके विपरीत। उसकी खून से सनी देह को देखकर ब्राह्मणी का मन आशंकाओं से भर उठा कि कहीं उसने मेरे पुत्र को तो नहीं काट लिया। यह विचार आते ही उसने क्रोध से सिर पर उठाए घड़े को नेवले पर पटक दिया। छोटा-सा नेवला जल से भरे घड़े की चोट बरदाश्त न कर सका और उसका वहीं प्राणांत हो गया। ब्रह्माणी भागती हुई अपने घर पहुंची।

वहां पहुंचकर उसने देखा कि उसका पुत्र तो बड़ी शांति का शरीर खंड-खंड हुआ पड़ा है। पश्चात्ताप से उसकी छाती फटने लगी। इसी बीच ब्राह्मण भी लौट आया।वहां आकर उसने अपनी पली को विलाप करते देखा तो उसका मन भी सशंकित हो गया लेकिन जब उसने पुत्र को शांति से सोए हुए दखा तो उसका मन शांत हो गया। उसकी पली ने रोते हुए नेवले की मृत्यु का समाचार उस सुनाया हाकर अपने यजमान के यहां भोजन करने के लिए चले गए।

तुम्हारे भिक्षा के लोभ ने के साथ सो रहा है और उससे कुछ दूरी पर एक काले नाग और बोली-'मैंने तुम्हें यहीं ठहरने को कहा था किन्तु तुम लोभ के वशीभूत " यह सब करा दिया।

मनुष्य को अतिलोभ कभी नहीं करना चाहिए। अतिलोम के कारण कई बार मनुष्य के मस्तिष्क पर चक्र लग जाता है।'

गतिविधि– जवाहरलाल नेहरूजी का चित्र बनाओ अथवा चिपकाओ।